राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रसारीत

सुरत-गुजरात, संस्करण गुरुवार, 31 मार्च 2022 वर्ष-4, अंक-64 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

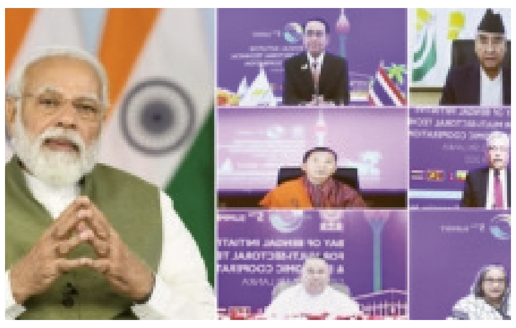

पांचवें बिम्सटेक शिखर सम्मेलन में शामिल हुए पीएम मोदी, अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था की स्थिरता पर उठाए सवाल

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पांचवें बिम्सटेक शिखर सम्मेलन में शामिल हुए और उन्होंने कार्यक्रम को संबोधित किया। वर्चुअल मोड में आयोजित होने वाले डमिट की मेजबानी वर्तमान बिम्सटेक अध्यक्ष श्रीलंका द्वारा की गई। इस दौरान पीएम मोदी ने दुनिया के समक्ष जो संकट है उस पर बात की। पीएम मोदी ने अपने संबोधन में कहा यूरोप में हाल के घटनाक्रमों ने अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था की स्थिरता पर सवाल खड़े कर दिए हैं। उन्होंने कहा कि इस संदर्भ में क्षेत्रीय सहयोग करना एक बड़ी प्राथमिकता बन गई है। आज हम अपने समूह के लिए संस्थान की संरचना विकसित करने के लिए बिम्सटेक चार्टर अपना रहे हैं। 5वें बिम्सटेक शिखर सम्मेलन में पीएम मोदी ने कहा कि हम नालंदा अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालय द्वारा प्रस्तावित बिम्सटेक छात्रवृत्ति कार्यक्रम के दायरे का विस्तार और विस्तार करने पर काम कर रहे हैं। हम आपराधिक मामलों पर आपसी कानूनी सहायता पर एक संधि पर भी हस्ताक्षर कर रहे हैं। बिम्सटेक शिखर सम्मेलन में पीएम मोदी बोले कि बंगाल की खाड़ी को संपर्क, समृद्धि और सुरक्षा का पुल बनाने का समय आ गया है। मैं सभी बिम्सटेक देशों का आह्वान करता हूं कि वे 1997 में एक साथ हासिल किए गए लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए नए उत्साह के साथ काम करने के लिए खुद को समर्पित करें। भारत अपने परिचालन बजट को बढ़ाने के लिए (बिम्सटेक) सचिवालय को 1 मिलियन अमेरिकी डॉलर प्रदान करेगा, (बिम्सटेक) सचिवालय की क्षमता को मजबूत करना महत्वपूर्ण है, मेरा सुझाव है कि महासचिव इसके लिए एक रोडमैप तैयार करें।

तेल अवीव में फिलिस्तीनी हमलवार ने 5 इजरायलियों की हत्या की

नई दिल्ली। फिलिस्तीनी हमलावर ने इजरायल के तेल अवीव शहर में पांच लोगों की हत्या कर दी है। यह हमला पिछले दो हफ्तों में पांचवां हमला है। इन सभी हमलों में अब तक 11 इजरायली नागरिक मारे गए हैं। रिपोर्ट्स बताती हैं कि सैलून बाद इत्ते कम वक्त में इतने अधिक इजरायली आम लोग मारे गए हैं। रिपोर्ट्स बताती हैं कि अगले महीने रमजान, फसह और ईस्टर के कारण फिलिस्तीन और इजरायल के बीच तनाव बढ़ने की आशंका है। हमले के बाद इजरायली पीएम नफ्ताली बेनेट ने सीनियर सुरक्षा अधिकारियों से बातचीत की और हिंसा की निंदा की है। उन्होंने एक बयान में कहा है कि इजरायल घातक अरब आतंकवाद की लहर का सामना कर रहा है। उन्होंने आगे कहा है कि हमारे सुरक्षा बल काम कर रहे हैं। हम दृढ़ता, परिश्रम के साथ आतंक से लड़ेंगे। वे हमें यहां से नहीं हिला सकते हैं। हम और मजबूत होंगे। एक ओर इजरायल और अरब देश साथ आगे बढ़ रहे हैं वहीं फिलिस्तीनियों के साथ शांति वार्ता सालों से रुकी हुई है। पिछले साल रमजान के दौरान, जेरुशलम में इजरायल और फिलिस्तीनियों के बीच तनाव तेजी से गाजा पट्टी में इजरायल और हमास के बीच एक घातक युद्ध और इजरायल के भीतर यहूदियों और अरबों के बीच दंगों में बदल गया था। हालात को देखते हुए इजरायली सेना के प्रवक्ता ने कहा है कि सेना ने वेस्ट बैंक में अपनी उपस्थिति को मजबूत करने का फैसला किया है।

पीएम मोदी आगामी 21 अप्रैल को आएंगे गुजरात, दाहोद से करेंगे चुनावी शंखनाद

अहमदाबाद ।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी फिर एक बार गुजरात आ रहे हैं7 मार्च के बाद पीएम मोदी अप्रैल महीने में दो दिवसीय दौरे पर गुजरात आएंगे7 21 अप्रैल को पीएम मोदी दाहोद से विधानसभा चुनावों के लिए शंखनाद करेंगे7 गुजरात दौरे के दूसरे दिन 22 अप्रैल को पीएम मोदी बनासकांठा में पशुपालक महिलाओं के सम्मेलन को संबोधित करेंगे7 पीएम मोदी के गुजरात दौरे को लेकर प्रदेश भाजपा ने तैयारियां शुरू कर दी हैं7 बता दें कि गुजरात विधानसभा के इसी साल के अंत में चुनाव होने हैं और उसे लेकर भाजपा पहले से तैयारियों में जुटी है7 ऐसे में पीएम मोदी 21 अप्रैल को दो दिवसीय गुजरात दौरे पर आ रहे हैं और इस दौरान वे दो विराट जनसभाओं को संबोधित करेंगे7 पीएम मोदी 21 अप्रैल को दाहोद से आदिवासी सम्मेलन में विधानसभा चुनाव प्रचार का शंखनाद करेंगे7 इस सम्मेलन में 5 लाख से ज्यादा आदिवासी एकत्र हो ऐसा आयोजन करने के लिए गुजरात प्रदेश प्रमुख सीआर पाटील की अध्यक्षता में एक बैठक भी हो चुकी है7 गुजरात में आदिवासियों का वोट विधानसभा चुनाव के लिए काफी महत्वपूर्ण है7 इसलिए अन्य समाज की भांति आदिवासी समाज को आकृष्ट करने के लिए पीएम मोदी की उपस्थिति में दाहोद में आदिवासी सम्मेलन का आयोजन किया गया है7 अंबाजी से उमरगाम तक 27 विधानसभा सीटों पर आदिवासी समाज का प्रभुत्व है ऐसे में प्रधानमंत्री का दाहोद दौरा अहम है7 गुजरात यात्रा के दूसरे दिन पीएम मोदी उत्तरी गुजरात के बनासकांठा में महिला सम्मेलन को संबोधित करेंगे7 22 अप्रैल को बनासकांठा में पशु पालक महिला सम्मेलन का आयोजन किया गया है7 जिसमें पीएम मोदी आत्मनिर्भर भारत के सपने को साकार करने में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका पर बात करेंगे7 गुजरात के दो दिवसीय दौरे के दौरान पीएम मोदी अलग अलग जिलों में विकास कार्यों का शिलान्यास और लोकार्पण भी करेंगे7 पीएम मोदी के दाहोद के आदिवासी सम्मेलन को भव्यातिभव्य बनाने का प्रदेश भाजपा प्रमुख सीआर पाटील ने दाहोद, छोटाउदेपुर, महीसागर, पंचमहल और वडोदरा जिले कार्यकर्ताओं को आदेश दिया है7 गौरतलब आदिवासी इलाकों में पिछले काफी समय से पार-तापी-नर्मदा रिवर लिंक अप योजना को लेकर कांग्रेस विरोध कर रही है7 ऐसे में महत्वपूर्ण होगा7 पीएम मोदी दाहोद में करोड़ों के विकास कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास भी करेंगे।

देश में अब खत्म होने की कगार पर है घातक कोरोना महामारी!

नई दिल्ली। देश में घाचक कोरोना संक्रमण के लगातार घटते मामलों के बीच पिछले 24 घंटों के दौरान 1,876 मरीज कोरोनामुक्त हुए है। केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से बुधवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, पिछले 24 घंटों में सक्रिय मामलों की संख्या 674 घटकर 14704 रह गई है। इस दौरान एक हजार 233 नये मामले आने के साथ कुल संक्रमितों की संख्या बढ़कर 43,023,215 हो गई, वहीं 1876 मरीजों के स्वस्थ होने से संक्रमणमुक्त होने वालों की संख्या कुल 4,24,87410 हो गई है। पिछले 24 घंटों के दौरान इस बीमारी से 31 लोगों की मौत के साथ मरने वालों की कुल संख्या 521101 हो गई है। अब देश में कोरोना मृत्यु दर 1.21 प्रतिशत, रिकवरी दर 98.75 प्रतिशत और संक्रमण दर 0.04 प्रतिशत है। केरल में पिछले 24 घंटे में सक्रिय मामलों में 126 की कमी आने के बाद इनकी संख्या घटकर 4387 रह गई। वहीं, 528 लोगों के स्वस्थ होने के बाद इससे निजात पाने वाले लोगों की संख्या 6459585 हो गई है, जबकि मृतकों का आंकड़ा 67844 हो गया है।

बीरभूम हिंसा पर गृहमंत्री अमित शाह से मिलेंगे पश्चिम बंगाल बीजेपी चीफ सुकांता मजूमदार

नई दिल्ली ।

पिछले हफ्ते 21 मार्च को पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिले के रामपुर हाट में हुई हिंसा में आठ लोगों को जला कर मार दिया गया था। इस घटना पर बंगाल बीजेपी चीफ डॉ सुकांता मजूमदार बुधवार को बंगाल पार्टी इकाई की तरफ से गृहमंत्री अमित शाह और बीजेपी चीफ जेपी नड्डा से मिलकर फैक्ट फाइंडिंग टीम की रिपोर्ट सौंपेंगे। हमारी फैक्ट फाइंडिंग टीम ने बीरभूम हिंसा पर एक विस्तृत रिपोर्ट तैयार की है जो पार्टी प्रमुख जेपी नड्डा को सौंपी जाएगी। उन्होंने कहा कि यह रिपोर्ट हम गृह मंत्री अमित शाह को भी सौंपने का प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि बीरभूम घटना के तुरंत बाद हमारे पार्टी अध्यक्ष ने पाँच सदस्यों वाली कमेटी बनाई थी जिसमें चार पूर्व आईपीएस अधिकारी और मैं था। आज साढ़े ग्यारह बजे हम यह रिपोर्ट बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा जी को रिपोर्ट सौंपेंगे। प्रधानमंत्री से समय मिलने पर हम पश्चिम बंगाल विधान सभा में हुई घटना पर भी अपनी बात रखेंगे क्योंकि वो तो लोकतंत्र की हत्या जैसा है।डॉ सुकांता ने कहा कि इस मामले पर हमारी पीएम मोदी के साथ मुलाकात होने वाली थीजो उनके कार्यक्रम में बदलाव के कारण स्थगित कर दी गई है। आने वाले दिनों में जब भी कोई नई तारीख तय होगी हम उनसे मिलेंगे और उसी के अनुसार उनको भी इसका विवरण सौंपेंगे। जो उनके कार्यक्रम में बदलाव के कारण स्थगित कर दी गई है। आने वाले दिनों में जब भी कोई नई तारीख तय होगी हम उनसे मिलेंगे और उसी के अनुसार उनको भी इसका विवरण सौंपेंगे। आपको बता दें कि पिछले हफ्ते 21 मार्च को कुछ अज्ञात लोगों ने बीरभूमि जिले के रामपुर हाट में दस घरों में आग लगा कर आठ लोगों की हत्या कर दी थी। इस मामले में संज्ञान लेते हुये कलकत्ता हाईकोर्ट ने इस मामले में सीबीआई जांच के आदेश दिये थे। अब इसी मामले की जांच में जुटी सीबीआई ने 21 लोगों को आरोपी बनाया है। गौरतलब है कि वहां पर हिंसा की जांच शुरू कर दी थी। पिछले हफ्ते हुई हिंसा में दस घरों को आग लगा दी गई थी। सीबीआई की 30 सदस्यीय टीम पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिले के रामपुरहाट पहुंच गई थी और उसने वहां पर हिंसा की जांच शुरू कर दी थी। पिछले हफ्ते हुई हिंसा में दस घरों को आग लगा दी गई थी। जिसमें महिलाओं और बच्चों समेत कुल 8 लोगों की मौत हो गई थी।

परिचालन बजट बढ़ाने साढ़े 7 करोड़ रुपये देगा भारत: मोदी का एलान

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बिम्सटेक के सम्मेलन को वर्चुअली संबोधित करते हुए कहा कि बिम्सटेक की स्थापना का ये 25वां वर्ष है इसलिए आज के समिट को मैं विशेष रूप से महत्वपूर्ण मानता हूं। इस लैंडमार्क समिट के परिणाम बिम्सटेक के इतिहास में एक स्वर्णिम अध्याय लिखेंगे। मोदी ने आगे कहा कि पिछले 2 सालों के चुनौतीपूर्ण माहौल में राष्ट्रपति राजपक्षे ने बिम्सटेक को कुशल नेतृत्व दिया है। जिसके लिए मैं उनका अभिनंदन करता हूं। आज के चुनौतीपूर्ण वैश्विक परिप्रेक्ष्य में से हमारा क्षेत्र अछूता नहीं रहा है। हम अभी भी कोरोना के दुष्प्रभावों को झेल रहे हैं। पीएम मोदी ने कहा, पिछले कुछ सप्ताह में यूरोप के डेवलपमेंट से अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था के स्थायित्व पर प्रश्नचिन्ह खड़ा हो गया है इस संदर्भ में बिम्सटेक क्षेत्रीय सहयोग को और सक्रिय बनाना महत्वपूर्ण हो गया है। आज हमारे बिम्सटेक चार्टर को अपनाया जा रहा है। बिम्सटेक हमारी अपेक्षाओं को पूरा करे, इसके लिए सचिवालय की क्षमता को बढ़ाना भी महत्त्वपूर्ण है। मेरा सुझाव है कि सेक्रेटरी जनरल इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए एक रोडमैप बनायें। पीएम मोदी ने अपने संबोधन के दौरान वित्ती सहायता देने का भी एलान किया। मोदी ने कहा कि ये महत्त्वपूर्ण कार्य समय और अपेक्षा के अनुरूप पूरा हो, इसके लिए भारत सचिवालय के परिचालन बजट को बढ़ाने के लिए 1 मिलियन डॉलर की वित्तीय सहायता देगा। हमारे आपसी व्यापार को बढ़ाने के लिए बिम्सटेक एफटीए के प्रस्ताव पर शीघ्र प्रगति करना आवश्यक है। हमें अपने देशों के उद्यमियों और स्टार्टअपके बीच आदान-प्रदान भी बढ़ाना चाहिए। इसी के साथ हमें ट्रेड फ़ैसिलिटेशन के क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय मानदंड को अपनाने का भी प्रयत्न करना चाहिए। इस बार के बिम्सटेक सम्मेलन को श्रीलंका आयोजित कर रहा है। बिम्सटेक की तैयारियों के लिए वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक 28 मार्च को हुई थी। इसके अगले दिन यानी 29 मार्च को विदेश मंत्रियों की बैठक हुई थी। बैठक में एस जयशंकर ने कहा कि हम आतंकवाद और हिंसक कट्टरता की चुनौतियों को नजरअंदाज नहीं कर सकते।

अयोध्या में रामलला के दर्शन का समय तीन घंटे बढ़ा

लखनऊ ।

रामजन्मभूमि में विराजमान रामलला के मंदिर निर्माण के साथ दर्शनार्थियों की संख्या में भारी इजाफा तब हो गया जबकि कोरोना की वैश्विक महामारी से देश-विदेश त्राहि-त्राहि कर रहा था। अब जब कोरोना का भय पूरी तरह से निकल गया है तो जाहिर है रामनवमी पर भीड़ का रेला उमड़ना तय है। जिला प्रशासन और रामजन्मभूमि ट्रस्ट को इसका पूरा अंदेशा है। यही कारण है कि तात्कालिक तौर पर रामलला के दर्शन की अवधि तीन घंटे बढ़ाने का फैसला किया गया है। यह व्यवस्था नवसंवत्सर यानि दो अप्रैल से लागू हो जाएगी। यह जानकारी रामजन्मभूमि ट्रस्ट के न्यासी डा. अनिल मिश्र ने दी। उन्होंने बताया कि दर्शनार्थियों की संभावित भीड़ को ध्यान में रखकर सुबह व शाम की दोनों पालियों में डेढ़-डेढ़ घंटे का समय बढ़ाया जाएगा। उन्होंने बताया कि सुबह की पाली में दर्शन की अवधि जो अभी सात बजे से 11 बजे है, उसे बढ़ाकर सुबह छह बजे से साढ़े 11 बजे और शाम की पाली जिसमे दर्शन की अवधि अपराह्न दो बजे से छह बजे है, वह दो बजे से साढ़े सात बजे तक रहेगी। मालूम हो कि यहां आने वाले सभी श्रद्धालुओं को रामलला का दर्शन सुनिश्चित कराने के लिए रामजन्मभूमि की स्थाई सुरक्षा समिति की बैठक में दर्शन अवधि बढ़ाने का प्रस्ताव पारित किया गया था। बावजूद इसका क्रियान्वयन संभव नहीं हो सका लेकिन अब मजबूरन निर्णय लेना पड़ा।रामलला के दर्शनार्थियों के लिए दर्शन की अवधि बढ़ाना खासकर शाम की पाली में, सुरक्षा के लिहाज से बेहद चुनौती पूर्ण है। यही कारण है कि दर्शन अवधि बढ़ाने का निर्णय लेने में छह माह से अधिक का समय गुजर गया। फिलहाल अब जब निर्णय हो गया है तो सबसे पहले सुरक्षा के मानकों के लिहाज से सभी इंतजाम प्राथमिकता पर कराए जा रहे है।

इस विषय पर अंतिम निर्णय 25 मार्च को उस दिन लिया गया जिस दिन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दूसरे कार्यकाल के लिए शपथ लिया था। ट्रस्ट महासचिव चंपत राय को शपथ ग्रहण का न्योता मिला था लेकिन उनका इरादा लखनऊ जाने का नहीं था। एक दिन पहले सायं अपर मुख्य सचिव गृह अवनीश अवस्थी का फोन आया और इमरजेंसी में वह कारसेवकपुरम से लखनऊ के लिए उसी दिन निकल गये। वहीं से वह दिल्ली की बैठक में हिस्सा लेने चले गये।

यूक्रेन संकट पर भारत अपने कूटनीतिक रुख पर वार्ता में बेहद जटिल और चुनौतीपूर्ण दौर से गुजरा भारत : थरूर

नई दिल्ली ।

लोकसभा सदस्य शशि थरूर ने कहा यूक्रेन-रूस संघर्ष पर भारत अपने कूटनीतिक रुख पर बातचीत करने में बहुत जटिल और चुनौतीपूर्ण दौर से गुजरा है तथा अन्य देशों के साथ उसके कई हितों के कारण वह एक तरह से मुश्किल स्थिति में है, जिसमें छोटी-सी गलती के भी बहुत बुरे परिणाम हो सकते हैं। वह यूक्रेन अनकही (झलकियां) पर तीन दिवसीय फोटो प्रदर्शनी के उद्घाटन के बाद यहां बातचीत के दौरान एक सवाल का जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा भारत, यूक्रेन-रूस संकट पर अपने रुख पर बातचीत में बहुत जटिल और चुनौतीपूर्ण दौर से गुजरा है। इसमें कोई शक नहीं है कि भारत अपने पहले ही बयान में ऐसा कुछ भी कहने के लिए तैयार नहीं दिखा था, जिससे रूस को परेशानी होती थरूर ने रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव की इस सप्ताह भारत की संभावित यात्रा पर कहा उनके पास बचाव के लिए कठिन वजह होगी और मुझे भरोसा है कि नयी दिल्ली में वह जो बातचीत करने जा रहे हैं, वह काफी दिलचस्प होगी। संघर्ष पर भारत के रुख के बारे में कांग्रेस सांसद ने कहा संयुक्त राष्ट्र में यूक्रेन संकट पर मतदान से अनुपस्थित रहते हुए अपने बयानों में हम अपने सिद्धांतों को दोहराने में अधिक मुखर रहे हैं और हमारी कूटनीति नेउन विविध हितों को ध्यान में रखा है जिनकी हमें देखभाल करनी है। उन विविध हितों को ध्यान में रखा है जिनकी हमें देखभाल करनी है। उन्होंने कहा हम क्वाड के सदस्य हैं और हम नहीं चाहते कि अमेरिका हिंद-प्रशांत से अपनी नजर हटाए और पूरी तरह यूरोप पर ध्यान केंद्रित करे। अपनी नजर हटाए और पूरी तरह यूरोप पर ध्यान केंद्रित करे। थरूर ने कहा यूक्रेन से हमें पहले कुछ सप्ताहों में 23,000 भारतीय नागरिकों को निकालना पड़ा, जिनमें ज्यादातर छात्र थे। इसलिए इन सभी हितों के कारण हम मुश्किल स्थिति में हैं, जिसमें छोटी-सी गलती के भी बुरे परिणाम हो सकते हैं।

भीषण आर्थिक संकट में श्रीलंका की मदद के लिए फिर आगे आया भारत

नई दिल्ली। भारत का पड़ोसी मुल्े क श्रीलंका सबसे खतरनाक आर्थिक गिरावट से जूझ रहा है। श्रीलंका का विदेश भंडार इस वक्े त अपने ऐतिहासिक न्यूनतम स्तर पर पहुंच गया है। घटते विदेशी मुद्रा भंडार, बेतहाशा बढ़ती कीमतों और भोजन सामग्री की कमी की संभावनाओं के बीच राष्ट्रपति गोटाबाया राजपक्षे की सरकार कुछ भी करने को तैयार है। श्रीलंका के नेता इन हालात के लिए कोरोना को जिम्े मेवार ठहरा रहे हैं, लेकिन आलोचक इसके लिए सरकार को ही दोषी ठहरा रहे हैं। विपत्े तेि काल में श्रीलंका सरकार की निगाह भारत की ओर है। ऐसे में सवाल उठ रहे हैं कि आखिर श्रीलंका के मित्र देश चीन और पाकिस्े तान इस मामले में सक्रिय क्यों नहीं है? इसके पीछे के बड़े कारण क्े या है? क्े या भारत की मदद से कोलम्े बो और नई दिल्े ली के रिश्े तों में मधुरता आएगी? दोनों देश अपने मतभेदों को भुलाकर फ्ि र एक-दूसरे के निकट आएंगे? प्रो हर्ष वी पंत का कहना है कि श्रीलंका के आर्थिक संकट का असर उसके विदेश नीति पर भी पड़ रहा है। श्रीलंका की विदेश नीति में बदलाव देखने को मिल रहा है। यही कारण है कि चीन की ओर जाता श्रीलंका अब भारत के साथ बेहतर संबंध बनाने की जुगत में है। इसके पीछे ड्रैगन की कर्ज नीति और भारत की मोदी सरकार की पड़ोसी मुल्े कों के साथ सकारात्े मक रुख की नीति जिम्मेदार है। उन्होंने कहा कि हाल के वर्षों में नई दिल्े ली और कोलम्े बो के रिश्े ते बहुत मधुर नहीं रहे हैं। खासकर मैत्रीपाला सिरीसेना के कार्यकाल में भारत और श्रीलंका के संबंधों में गिरावट आई है। इसकी वजह यह थी कि सिरीसेना का झुकाव चीन की ओर था। प्रो पंत ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नेबरहुड फस्ट पालिसी भारत के पड़ोसी मुल्े कों के साथ बेहतर संबंध बनाने की पहल रंग लाई। श्रीलंका में राष्े ट्रपति चुनाव के बाद भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर की श्रीलंका यात्रा इसी कड़ी के रूप में देखा जाना चाहिए। श्रीलंका में नई सरकार के गठन के ठीक बाद भारत ने सभी मतभेदों को भुलाकर एक सकारात्मक पहल की। उन्होंने गोटाभाया राजपक्षे से मुलाकात की और उन्े हें भारत आने का पीएम मोदी का निमंत्रण भी दिया, जबकि गोटाभाया का झुकान चीन की ओर था। इसके बाद गोटाभाया ने भारत का दौरा किया। इस दौरान दोनों देशों के बीच गर्मजोशी देखने को मिली। यह भारत की बड़ी कूटनीतिक जीत थी। उन्े होंने कहा कि जयशंकर का श्रीलंका जाना काफी अहम रहा। इसके बाद मोदी के न्यौते पर गोटाभाया का भारत आना बेहद अहम था। इसके बाद दोनों देशों के बीच बातचीत अच्छी चली। संबंधों में सुधार के संकेत देखे गए उन्होंने कहा कि श्रीलंका कर्ज के दलदल में बुरी तरह से फंस चुका है। वर्ष 2010 में श्रीलंका पर सकल राष्े ट्रीय आय (जीएनपी) का 39 फीसद कर्ज था। नौ वर्ष बाद यानी वर्ष 2019 में यह कर्ज बढ़कर 69 फीसद हो गया। श्रीलंका में बड़ा सकंट तब उत्े पन्े न हुआ, जब वर्ष 2021 में विदेशी मुद्रा भंडार सिर्फ 2.8 अरब डालर रह गया। श्रीलंका चीन के बोझ तले दब गया है। इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि 4.06 अरब डालर कर्ज चीन से लिया कुल कर्ज का 60 फीसद है श्रीलंका का चीन प्रेम का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि निवेश के मामले में भारत चीन से पीछे है। चीन ने श्रीलंका में वर्ष 2010 से 2019 के बीच 23.6 फीसद निवेश किया। इसी दौरान भारत का निवेश 10.4 फीसद रहा। यानी चीन ने भारत की तुलना में दोगुना निवेश किया। श्रीलंका ने भारत जापान का ईस्ट कंटेनर टर्मिनल प्रोजेक्ट रद कर दिया।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सुविचार कविता गाकर रिझाने के लिए नहीं समझ कर खो जाने के लिए है। - रामधारी सिंह दिनकर

संपादकीय

गैर-जरूरी विवाद

अभी बहुत दिन नहीं हुए, जब कर्नाटक के उडुपी जिले में आयोजित सालाना कौप मरीगुड़ी उत्सव में गैर-हिंदू वेंडरों को मंदिर परिसर के आसपास कारोबार न करने देने की मांग उठी थी, जो अब मांड्या, शिवमोगा, चिकमंगलुरु, तुमकुरु और हासन जिलों तक फैल गई है, इसी बीच केरल से भी खबर आई है कि कन्नूर जिले के कुछ मंदिरों के प्रबंधन ने ख्यात पूराक्कली-मराथुकली कलाकार विनोद पणिकर की मंदिर समारोहों में कला-प्रस्तुति पर कथित तौर से रोक लगा दी है। पणिकर का आरोप है कि उनके बेटे ने मुस्लिम लड़की से शादी की है, इसलिए उन पर यह रोक लगाई गई है, जबकि वह करीब चार दशकों से इन मंदिरों में अपनी कला प्रस्तुतियां देते आ रहे हैं। सुखद यह है कि कल ही कर्नाटक के दो भाजपा विधायकों, एच विश्वनाथ और अनिल बेनके ने मंदिरों के आस-पास गैर-हिंदुओं के कारोबार पर प्रतिबंध को 'गैर-सांविधानिक' कृत्य बताया और यह अपील की कि लोगों के ऊपर ही छोड़ देना मुनासिब होगा कि वे किस दुकान से क्या खरीदें। सदियों का हिन्दुस्तानी लोक-व्यवहार और आजाद भारत का संविधान साक्षी है कि 'सर्वधर्म समभाव' की इसकी खूबसूरती ने पूरी दुनिया को भारत का मुरीद बनाया है और अब कुछ असामाजिक तत्व निहित स्वार्थ के कारण इसे आघात पहुंचाना चाहते हैं। भारत के तीर्थस्थल हमेशा से इसकी समावेशी संस्कृति के बड़े प्रतीक रहे हैं। और इसकी सबसे ताजा मिसाल बिहार में पूर्वी चंपारण के इश्तियाक अहमद खान ने पेश की है, जिनके परिवार ने लगभग ढाई करोड़ रुपये की जमीन रामायण मंदिर के निर्माण के लिए दान कर दी। इस देश में ऐसे कई उदाहरण हैं, जब सभी धर्मों के लोगों ने मिल-जुलकर एक-दूसरे के उपासना स्थलों का जीर्णोद्धार किया है। ऐसे में, केरल-कर्नाटक सरीखी बाड़ेबंदी भारतीयता की मूल भावना के भी विपरीत है। दरअसल, हमारे सामाजिक जीवन में विद्वेष की राजनीति की घुसपैठ लगातार बढ़ती जा रही है और इसी के कारण इस तरह की विसंगतियां देखने को मिल रही हैं। अब तक उत्तर भारतीय प्रदेशों में सांप्रदायिक ध्रुवीकरण या जातिवादी गोलबंदी के कारण अनेक प्रकार की समस्याएं पैदा होती रही हैं और उनके पिछड़ेपन की एक बड़ी वजह भी है, लेकिन चिंता की बात यह है कि इस तरह की प्रवृत्तियां अब केरल-कर्नाटक में तेजी से बढ़ने लगी हैं, जो तरक्कीपसंद सूबे समझे जाते हैं। इसमें कोई दोराय नहीं कि दक्षिण के राज्यों में उत्तर के मुकाबले सामाजिक समावेशीकरण कहीं बेहतर हुआ है और उन्हें इसका फायदा भी खूब मिला है। यह एक स्थापित तथ्य है कि कोई भी कलहप्रिय समाज कभी तरक्की नहीं कर सकता। इसलिए राज्य सरकारों का यह बुनियादी दायित्व है कि वे सामाजिक ताने-बाने को बिगाड़ने की किसी भी कोशिश से सख्ती से निपटें। भारत के सामने गरीबी, बेरोजगारी, शिक्षा, स्वास्थ्य के मोर्चे पर पहले ही गंभीर चुनौतियां हैं। महामारी ने उन्हें और विकराल बना दिया है। ऐसे में, इस तरह के निरर्थक विवाद शासन की सिरदर्दी ही बढ़ाएंगे और उसकी कार्य-संस्कृति को नकारात्मक रूप से प्रभावित करेंगे। इस तरह के विवाद देश के राजनीतिक-सामाजिक संगठनों के लिए भी किसी परीक्षासे कम नहीं हैं। उनके नेतृत्व की समझदारी इन्हीं नाजुक मौकों पर देखी-परखी जाती है। कर्नाटक और केरल में सामाजिक समरसता न बिगड़े, इसे सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी राज्य सरकारों के साथ-साथ इन सबके कंधों पर भी है।

आज के कार्टुन

भरोसा

सद्गुरु

आपका मन जो कह रहा है, वह फिलहाल आपको तार्किक और सीधा लग रहा है, लेकिन किसी दूसरी जगह हो सकता है कि यह पूरी तरह से अटपटा लगे। खासतौर पर बात जब उस आयाम की आती है, जो अभी आपके बोध में नहीं हो, तो वहां आपका मन आपके लिए एक खतरनाक गाइड बन जाता है। यह आपको ऐसी बातें बताता है, जिनका कोई अस्तित्व ही नहीं होता। वहीं दूसरी ओर यह कई ऐसी चीजों की अनदेखी कर जाता है, जो ठीक आपके सामने मौजूद होती हैं। यही वजह है कि योग शरीर, ऊर्जा, सांस, भावनाओं और बोध के जरिए आध्यात्मिक प्रक्रिया के लिए एक समग्र मार्ग है, लेकिन यह बुद्धि का सहारा नहीं लेता। हम इस शरीर को मांस और रक्त के एक पिंड के तौर पर न देखकर इसे एक शक्तिशाली साधन या उपकरण बनाना सीखते हैं, जो किसी भी चीज को बड़ी खूबसूरती से महसूस कर सके व आंक सके। अगर हमें इस शरीर को भोजन के एक ढेर से या फिर अपनी रासायनिक बाध्यताओं से कुछ अधिक बनाना है तो इसके लिए हमारे पास एक पूरा विज्ञान और तकनीक मौजूद है कि कैसे इस जीवन को विकसित किया जाए। अभी जो भौतिक प्रक्रियाएं चल रही हैं, अगर आप उनसे पहचान बनाए बिना सहज रूप से यहां बैठ सकते हैं, अगर आप खुद को स्त्री या पुरु ष रूप में जाने बिना सहज रूप से बैठ सकते हैं, अगर आप इस शरीर को बस एक उपकरण के तौर पर देख सकते हैं, इसका एक उपकरण के तौर पर इस्तेमाल करना सीख सकते हैं तो आप देखेंगे कि यह अपने आप में एक बेहद शक्तिशाली उपकरण हो जाएगा। मानव शरीर इस धरती का सबसे संवेदनशील और सक्षम उपकरण है। यह आपको हर उस चीज के बारे में बता सकता है, जो यहां मौजूद है और जो इससे परे है। तो वहां तक पहुंचने के इस विज्ञान को हम योग के रूप में जानते हैं, लेकिन बहुत सारे लोगों को योग बहुत दूर की चीज सिर्फ इसलिए लगती है, क्योंकि वे लोग इस छोर पर खड़े रहकर दूसरे छोर पर पहुंचने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। उन्होंने अपनी नाव इस किनारे बांध रखी है, और दूसरे किनारे पर पहुंचने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। इस तरह से यह काम बहुत मुश्किल है।

गरीब मुल्कों हेतु वरदान बनेगी नयी वैक्सीन

मुकुल व्यास

दुनिया में कोविड महामारी अभी थमी नहीं है। सर्वसुलभ वैक्सीनों के जरिए टीकाकरण बढ़ाकर ही कोरोना वायरस और उसके नए वैरिएंट्स को रोका जा सकता है। अमीर देशों में अधिकांश लोगों को कोविड की वैक्सीन लग चुकी है लेकिन दुनिया के बहुत बड़े हिस्से में रहने वाली आबादी के टीकाकरण का काम अभी पूरा नहीं हुआ है। पश्चिमी देशों में प्रयुक्त आरएनए वैक्सीनें उच्च लागत,स्टोरेज और ट्रांसपोर्ट की दिक्कत की वजह से गरीब देशों में उपलब्ध नहीं हो पाई हैं। अब अमेरिका के मैसाचुसेट्स इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एमआईटी) और बेथ इस्राइल डिकॉनेस मेडिकल सेंटर ने एक ऐसी नई वैक्सीन विकसित करने का दावा किया है जो कम लागत पर गरीब देशों में टीकाकरण की आवश्यकता पूरी कर सकती है। नई वैक्सीन को आरएनए वैक्सीनों का कारगर विकल्प बताया जा रहा है। इन्हें स्टोर करना भी आसान है। शोधकर्ताओं ने एक नए शोध पत्र में नई वैक्सीन की जानकारी दी है। नई वैक्सीन में सार्स-कोव-2 वायरस के स्पाइक प्रोटीन के टुकड़ों को एक वायरस जैसे कण पर जमाया गया है। शोधकर्ताओं के मुताबिक यह वैक्सीन तगड़ा इम्यून रिस्पांस उत्पन्न करती है और जानवरों को वायरस से सुरक्षा प्रदान करती है। वैक्सीन का डिजाइन कुछ इस तरह से किया गया है कि इसे खमीर (यीस्ट) से पैदा किया जा सकता है। इसके लिए फर्मेंटेशन की सुविधाएं दुनिया में पहले से मौजूद हैं। भारत का सीरम इंस्टिट्यूट भारी मात्रा में इस वैक्सीन का उत्पादन कर रहा है। उसने अफ्रीका में इस वैक्सीन का क्लिनिकल ट्रायल शुरू करने की योजना बनाई है। एमआईटी के प्रोफेसर जे. क्रिस्टोफर लव का कहना है कि प्रोटीन आधारित सब-यूनिट वैक्सीन कम लागत वाली एक सुस्थापित टेक्नोलॉजी है जो वैक्सीन की निरंतर सप्लाई को सुनिश्चित कर सकती है। एक अच्छी बात यह है कि दुनिया के कई हिस्सों में यह टेक्नोलॉजी स्वीकार की जा चुकी है। लव की लैब ने बेथ इस्राइल सेंटर की लैब के साथ मिल कर दो साल पहले कोविड वैक्सीन विकसित करने के लिए रिसर्च शुरू की थी। उनका उद्देश्य एक ऐसी वैक्सीन विकसित करना था जो न सिर्फ कारगर हो बल्कि आसानी के साथ निर्मित भी की जा सके। इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए उन्होंने प्रोटीन सब-यूनिट वैक्सीनों पर अपना ध्यान केंद्रित किया। दरअसल, प्रोटीन सब-यूनिट वैक्सीन में वायरस प्रोटीन के छोटे हिस्से सम्मिलित किए जाते हैं। इस टेक्नोलॉजी से हेपेटाइटिस बी सहित कई मौजूदा वैक्सीनें निर्मित की जा चुकी हैं। लव का कहना है कि सब-यूनिट वैक्सीन उन जगहों के लिए बहुत उपयोगी है जहां महंगी वैक्सीन खरीदना एक बहुत बड़ी चुनौती है। वे लोग भी इसे अपना सकते हैं जिन्हें नई टेक्नोलॉजी पर आधारित वैक्सीनों को लेकर झिझक है। प्रोटीन सब-यूनिट वैक्सीनों का एक बड़ा लाभ यह है कि इन्हें फ्रिज में रखा जा सकता है। इन्हें आरएनए वैक्सीनों की तरह बहुत निम्न तापमान पर रखने की जरूरत नहीं होती। शोधकर्ताओं ने नई सब-यूनिट वैक्सीनों के लिए सार्स-कोव-2 वायरस के स्पाइक प्रोटीन के एक छोटे टुकड़े को इस्तेमाल करने का फैसला किया। महामारी के आरंभ में जानवरों पर किए गए प्रयोगों से पता चला कि अकेले वायरस प्रोटीन के इस हिस्से से तगड़ा इम्यून रिस्पांस पैदा नहीं होगा। अतः इम्यून क्षमता बढ़ाने के लिए शोधकर्ताओं ने एक वायरस जैसे कण पर प्रोटीन की अनेक प्रतियां रखने का फैसला किया। उन्होंने वायरस के सांचे के तौर पर हेपेटाइटिस बी एंटीजन का प्रयोग किया। इस कण पर प्रोटीन के टुकड़ों की परत बिछाने से अकेले प्रोटीन की तुलना में ज्यादा दमदार रिस्पांस उत्पन्न हुआ। शोधकर्ता चाहते थे कि उनके द्वारा विकसित वैक्सीन आसान और कारगर तरीके से निर्मित हो। इस समय अनेक प्रोटीन सब-यूनिट वैक्सीनों का निर्माण स्तनपायी जीवों की कोशिकाओं के जरिए किया जाता है। लेकिन इन कोशिकाओं के साथ काम करना बहुत कठिन होता है। एमआईटी की टीम ने वायरस के एक ऐसे प्रोटीन का डिजाइन तैयार किया जिसका उत्पादन पिचिया पेस्टोरिस नामक यीस्ट द्वारा किया जा सकता है। इस यीस्ट को औद्योगिक बायोरिएक्टर में आसानी से उगाया जा सकता है। वैक्सीन के दोनों हिस्सों, प्रोटीन के टुकड़े और वायरस के कण को यीस्ट में अलग-अलग उगाया जा सकता है। ध्यान रहे कि दुनिया भर में वैक्सीन उत्पादन के लिए बायोरिएक्टरों में पिचिया पेस्टोरिस यीस्ट का प्रयोग किया जाता है। शोधकर्ताओं ने यीस्ट कोशिकाएं तैयार होने के बाद उन्हें बड़े पैमाने पर उत्पादन के लिए सीरम इंस्टिट्यूट भेज दिया। नए रिसर्च पेपर के प्रमुख लेखक नील डाल्वी का कहना है कि हमारी वैक्सीन दूसरी वैक्सीनों से इस मायने में अलग है कि यीस्ट जीवाणुओं में वैक्सीन उत्पादन की सुविधाएं दुनिया के उन हिस्सों में पहले से मौजूद हैं जहां वैक्सीनों की सबसे ज्यादा जरूरत है। वैक्सीन तैयार होने के बाद शोधकर्ताओं ने गैर मानव प्राइमेट जानवरों पर एक ट्रायल में उसका परीक्षण किया। इन अध्ययनों के जरिए शोधकर्ताओं ने दर्शाया कि इस वैक्सीन द्वारा उत्पन्न एंटीबॉडीज़ का स्तर कुछ मान्यता प्राप्त कोविड वैक्सीनों द्वारा उत्पन्न एंटीबॉडीज़ के बराबर ही था। उन्होंने यह भी देखा कि जानवरों को सार्स-कोव-2 वायरस से एक्सपोज करने पर टीके वाले जानवरों में वायरस का लोड बिना टीके वाले जानवरों से काफी कम था। शोधकर्ताओं ने इस वैक्सीन के लिए स्पाइक प्रोटीन के जिस हिस्से का प्रयोग किया वह सार्स-कोव-2 के मूल स्ट्रेन के सिक्वेंस पर आधारित था जो 2019 में प्रकट हुआ था। आस्ट्रेलिया में पहले चरण के क्लिनिकल ट्रायल में इस वैक्सीन का परीक्षण किया जा चुका है। इसके पश्चात शोधकर्ताओं ने वैक्सीन की इम्यून उत्पादन क्षमता को बढ़ाने के लिए वायरस के दो म्युटेशनों को शामिल किया जो डेल्टा और लैम्बडा वैरिएंट्स में पहचाने गए म्युटेशनों की तरह ही थे। यदि क्लिनिकल ट्रायलों में यह वैक्सीन मौजूदा आरएनए वैक्सीनों की सुरक्षित और प्रभावी विकल्प साबित होती है तो इसका उपयोग उन देशों में टीकाकरण के लिए किया जा सकता है जहां वैक्सीन की उपलब्धता बहुत सीमित है। इसके अलावा इससे बूस्टर वैक्सीनें बनाने में भी मदद मिलेगी जो सार्स-कोव-2 की विविध किस्मों और दूसरे कोरोना वायरसों के खिलाफ सुरक्षा प्रदान करेंगी।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

विधायको को सिर्फ एक पेंशन का ऐतिहासिक कदम!

लेखक- डॉ श्रीगोपाल नारसन

देश की जनता लंबे समय से यह मांग करती रही है कि विधायको व सांसदों की पेंशन या तो पूरी तरह से बंद हो या फिर उन्हें सिर्फ एक ही पेंशन मिले ,लेकिन आमजन की इस मांग को अनसुना कर जितनी बार भी सांसद या विधायक रहे उतनी ही पेंशन लेकर देश पर आर्थिक बोझ जारी है।इस बोझ को पहली बार पंजाब में हाल ही में बनी आम आदमी पार्टी की सरकार ने समझा है।इस सरकार ने हर कार्यकाल के लिए पूर्व विधायकों की पेंशन की प्रथा खत्म करते हुए, अब सिर्फ एक कार्यकाल के लिए पेंशन जारी रखने का ऐलान किया है। पूर्व विधायकों को पंजाब में 75 हजार रुपये पेंशन मिलेगी।पंजाब सरकार ने विधायकों की पेंशन को लेकर यह बड़ा फैसला लिया है। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने घोषणा की है कि पूर्व विधायकों को केवल एक कार्यकाल के लिए पेंशन मिलेगी। पंजाब ही नही देशभर में अभी तक प्रत्येक कार्यकाल के लिए पेंशन मिलती रही है। पंजाब सरकार के अधिकारियों को 'एक विधायक-एक पेंशन' योजना को लागू करने का निर्देश दिया गया है।अभी तक कई बार चुने गए विधायकों को पेंशन के रूप में कई बार की ही पेंशन के रूप में लाखों रुपये मिल रहे थे। उनमें से कुछ जो सांसद भी रहे हैं, उन्हें केंद्र और राज्य दोनों तरह की पेंशन मिल रही है। इस फैसले से राज्य सरकार के करीब 80 करोड़ रुपये बचेंगे।भगवंत मान ने कहा कि, 卐लोगों की सेवा के वादे के साथ वोट मांगने वाले विधायकों को 3.5 लाख रुपये, 4.5 लाख रुपये और यहां तक कि 5.25 लाख रुपये मासिक पेंशन मिल रही थी। नए फैसले के साथ सरकार की योजना पांच साल में 80 करोड़ रुपये बचाने की है।बचाए गए धन का उपयोग कल्याणकारी योजनाओं के लिए किया जाएगा।卐उदाहरण के तौर पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राजिंदर कौर भट्ठल, लाल सिंह और पूर्व अकाली दल नेता सरवन सिंह फिल्लौर को 3.25 लाख रुपये जबकि रवि इंदर सिंह और बलविंदर सिंह भिंडर को हर महीने 2.75 लाख रुपये पेंशन के रूप में मिलते हैं।पूर्व मुख्यमंत्री प्रकाश सिंह बादल ने सरकार को पत्र लिखा था कि वह सरकार से किसी भी तरह की पेंशन का दावा नहीं करेंगे और न ही उन्हें कोई पेंशन दी जानी चाहिए। उन्होंने कहा था कि पैसे का इस्तेमाल लोक कल्याण की योजनाओं के लिए किया जाना चाहिए।हरियाणा सरकार ने कुछ साल पहले पूर्व विधायकों के लिए एक साथ कई पेंशन खत्म कर दी थी। पंजाब में अमरिंदर सिंह की सरकार ने उस वक्त पड़ोसी राज्य से संकेत लेते हुए पेंशन नीति को बदलने पर चर्चा की थी। लेकिन कभी कोई निर्णय उनके द्वारा नहीं लिया गया। पंजाब सरकार के नियमों के अनुसार विधायक को पहले कार्यकाल के लिए 75 हजार रुपये और उसके बाद हर अन्य कार्यकाल के लिए 50 हजार रुपये पेंशन दिए जाने का प्रावधान है।पंजाब में इस समय र 275 पूर्व विधायक अपने अलग-अलग कार्यकाल के लिए पेंशन ले रहे हैं। इसमें राज्य के तीन पूर्व मुख्यमंत्रियों समेत एक दर्जन पूर्व विधायक शामिल हैं जिन्हें कार्यकाल के हिसाब से 5-6 पेंशन तक एक साथ मिल रहीं हैं। पंजाब में मुख्यमंत्री का मासिक वेतन (भत्तों समेत) डेढ़ लाख रुपये बनता है। पूर्व विधायकों में पांच बार मुख्यमंत्री रहे प्रकाश सिंह बादल इस समय 11 पेंशन के हकदार हैं और उन्हें पेंशन की कुल राशि 5,76,150 रुपये मिलती थी। हालांकि उन्होंने विधानसभा अध्यक्ष को पत्र लिखकर पेंशन न लेने की घोषणा की है। पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह, पूर्व मुख्यमंत्री राजिंदर कौर भट्ठल, पूर्व मंत्री मनप्रीत सिंह बादल, लाल सिंह और परमिंदर सिंह ढींढसा समेत पंजाब के कई पूर्व विधायक ऐसे हैं जिन्हें उनके कार्यकाल के हिसाब से 5-6 पेंशन मिलती हैं। इसकी कुल रकम 2,75,550 रुपये से 3,25,650 रुपये बनती है।पंजाब राज्य विधान मंडल सदस्य (पेंशन व मेडिकल सुविधा) एक्ट 1977 और पंजाब राज्य विधान मंडल सदस्य (पेंशन व मेडिकल सुविधा) एक्ट 1984 में संशोधन के साथ पंजाब एक्ट नंबर 30 ऑफ 2016 के तहत नोटिफिकेशन जारी करके ऐसा प्रावधान कर दिया गया कि पूर्व विधायक को उनके पहले कार्यकाल के लिए पेंशन के रूप में 15000 रुपये और अगली प्रत्येक टर्म के लिए 10000 रुपये से आगाज होगा। इस रकम में पहले 50 फीसदी डीए मर्ज होगा और उसके बाद बनने वाली कुल रकम में फिर से 234 फीसदी महंगाई भत्ता जुड़ जाएगा। इस तरह पूर्व विधायकों को जबरदस्त लाभ हुआ, क्योंकि 15000 + 7500 (50 फीसदी डीए)= 22500 रुपये रकम बनी। 22500+52650 (234 फीसदी डीए) रुपये यानी कुल 75150 रुपये पेंशन बनती हैं। सूबे के 275 पूर्व विधायकों को वर्ष 2017 से हर साल 37 करोड़ और पांच वर्ष में 186 करोड़ रुपये पेंशन के तौर पर दिए जा रहे थे लेकिन जिस एक्ट के आधार पर यह पेंशन तय की गई, ऐसा कोई प्रावधान किसी भी एक्ट में था ही नहीं। पंजाब की अकाली-भाजपा सरकार ने अक्तूबर 2016 में पूर्व विधायकों की पेंशन को पहले कार्यकाल में 15000 रुपये और बाद के कार्यकाल के लिए 10-10 हजार रुपये का प्रावधान करते हुए साफ कर दिया था कि इस राशि में महंगाई भत्ता अन्य सरकारी कर्मचारियों को मिलने वाले महंगाई भत्ते के अनुसार ही जुड़ेगा। अगर इस तरीके से पेंशन तैयार होती तो 15000 रुपये और 28 फीसदी डीए को मिलाकर 19200 रुपये ही पूर्व विधायको को मिल पाते। लेकिन शासन स्तर की गई इस त्रुटि का नतीजा यह हुआ कि पूर्व विधायकों को 19200 रुपये की जगह 75150 रुपये पेंशन मिलती रही। इस तरह पांच साल के दौरान सरकारी खजाने से लगभग 192 करोड़ रुपये अधिक निकाल लिए गए। जिससे पंजाब सरकार पर आर्थिक बोझ बढ़ता चला गया।

सू-दोकू नवताल -2080

	4	7		1		2		6
5			3				1	
		1			5			7
2					8	7	4	
1		6		4		5		9
	7	9	1					3
6			9			1		
	5				1			4
9		4		8		3	7	

सू-दोकू -2079 का हल

8	2	5	3	6	7	9	1	4
4	6	1	8	9	2	3	7	5
3	7	9	1	5	4	6	8	2
1	3	7	4	2	9	5	6	8
6	5	2	7	1	8	4	9	3
9	8	4	6	3	5	1	2	7
2	4	6	9	8	3	7	5	1
5	1	3	2	7	6	8	4	9
7	9	8	5	4	1	2	3	6

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 x 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

फिल्म वर्ग पहेली- 2080

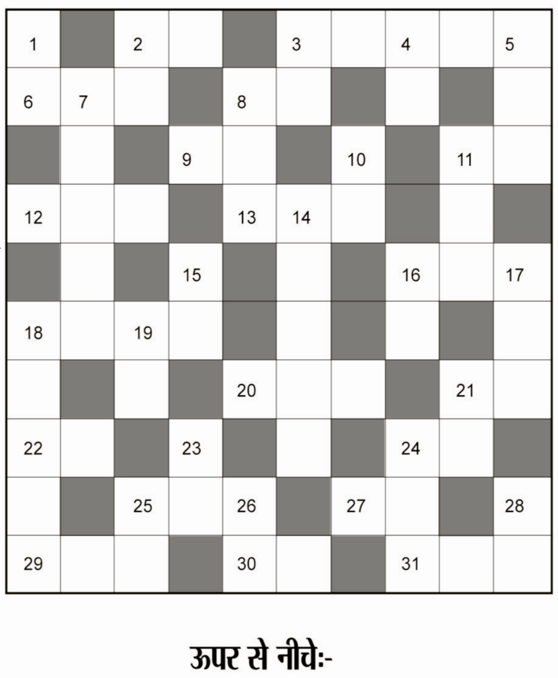

बायें से दायें:-

2. संजीव कुमार, सुचित्रा सेन की 'तेरे बिना जिंदगी से कोई' गीत वाली फिल्म-2
3. 'इस दीवाने लड़के को' गीत वाली फिल्म-5
6. 'देखो जी देखो मेरा दिल धड़के' गीत वाली फिल्म-3
8. फिल्म 'हैलो ब्रदर' की नायिका-2
9. डिनो मारिया, बिपाशा बसु की फिल्म-2
11. ऋषि कपूर, अश्विनी भावे, जेबा बख्तियार की फिल्म-2
12. धर्मेन्द्र, सनी, बॉबी, कैटरीना, शिल्पा शेट्टी अभिनीत फिल्म-3
13. फिल्म 'मि. इंडिया' की नायिका-3
16. फिल्म 'बंदिनी' में अशोक कुमार के साथ नायिका-3
18. बॉबी देओल, ट्विंकल की 'नहीं ये हो नहीं सकता' गीत वाली फिल्म-3
20. राजेश खन्ना, अमिताभ, शर्मिला की फिल्म-3
21. संजय दत्त, अभिषेक बच्चन, एशा देओल, राइमा सेन की फिल्म-2
22. 'कोयल सी तेरी बोली' गीत वाली फिल्म-2
24. अमिताभ,अमृता सिंह की फिल्म-2
25. राजकुमार, राजेश खन्ना, माला सिन्हा की फिल्म-3
27. अक्षय कुमार, रवीना टंडन की 'क्यूं आंचल हमारा गिरा जा रहा है' गीत वाली फिल्म-2
29. 'हर गोरी रानी यहां' गीत वाली अमिताभ, वहीदा, जीनत अमान, परवीन बाबी की फिल्म-3
30. राजेश खन्ना, राखी, शर्मिला टैगोर की 'अब चाहे सर फूटे या माथा' गीत वाली फिल्म-2
31. 'मुझे दुनिया वालों शराबी ना समझो' गीत वाली दिलीप कुमार, वैजयंतीमाला की फिल्म-3

ऊपर से नीचे:-

1. प्रशांत और ऐश्वर्या राय की फिल्म-2
2. अमिताभ, अक्षय कुमार, अर्जुन रामपाल, सुष्मिता अभिनीत फिल्म-2
3. फिल्म 'डकैत' में मीनाक्षी के साथ नायक-2
4. 'चांद सिफारिश जो करता हमारी' गीत वाली फिल्म-2
5. फिल्म 'गॉडमदर' में शीर्षक भूमिका किसने की थी?-3
7. राजकुमार, विनोद मेहरा, हेमा मालिनी, राखी अभिनीत फिल्म-2,3
8. फिल्म 'जी चाहता है' में जॉय मुखर्जी के साथ नायिका-3
10. संजीव कुमार, नूतन अभिनीत फिल्म-2
11. 'बहके बहके कदम हैं' गीतवाली फिल्म-3
14. फिल्म 'लव मैरिज' में माला सिन्हा के साथ नायक-2,3
15. सनी, सलमान, करिश्मा, अभिनीत फिल्म-2
16. फारुख शेख, पूनम ढिल्लों की फिल्म-2
17. फिल्म 'रात और दिन' की नायिका-3
18. अशोक कुमार, प्रदीप कुमार, मीना कुमारी अभिनीत फिल्म-2,3
19. 'हर तरफ हर जगह' गीत वाली जॉन, तारा शर्मा की फिल्म-2
21. राजेश खन्ना, हेमा,पूनमढिल्लो की फिल्म-2
23. विनोद खन्ना, भानुप्रिया की फिल्म-2
24. जीतेंद्र, श्रीदेवी, जयाप्रदा की फिल्म-3
25. आमिर, मनीषा अभिनीत फिल्म-2
26. विनोद मेहरा, बिंदिया गोस्वामी, अमजद की फिल्म-2
28. श्रेयस तलपदे, आयशा टकिया, गुल पनाग की फिल्म-2

फिल्म वर्ग पहेली-2079

टाटा संस को टीसीएस पुनर्खरीद से मिले 11,164 करोड़

मुंबई ।

टाटा समूह की प्रमुख कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) की 18,000 करोड़ रुपए की शेयर पुनर्खरीद में टाटा संस ने अपने 2.48 करोड़ शेयर बेचकर 11,164 करोड़ रुपए प्राप्त किए। इस बीच सरकारी स्वामित्व वाली एलआईसी ने इसमें 11.7 लाख शेयर बेचे और 528 करोड़ रुपए प्राप्त किए। 2 लाख रुपए तक के शेयर रखने वाले छोटे शेयरधारकों ने पुनर्खरीद में 2.53 करोड़ शेयर बेचे, जो उनके लिए इस पुनर्खरीद में आरक्षित शेयर 60 लाख के मुकाबले करीब 4.22 गुना है। अन्य शेयरधारकों ने 27.57 करोड़ शेयर टेंडर किए थे जबकि कंपनी 3.4 करोड़ शेयर खरीदना चाह रही थी और इस तरह से टेंडर किया गया शेयर 8.1 गुना रहा। छोटे शेयरधारकों के वैध आवेदनों की संख्या 9,77,300 रही और अन्य 1,51,377 आवेदन अन्य श्रेणी के शेयरधारकों की तरफ से आए। टीसीएस ने नियामकीय सूचना में यह जानकारी दी है। कुल मिलाकर 4 करोड़ शेयर इस पुनर्खरीद में 4,500 रुपए के भाव पर खरीदे गए, जो पिछले हफ्ते समाप्त हुआ। टीसीएस का शेयर मंगलवार को एनएसई पर 3,701 रुपए पर बंद हुआ। पुनर्खरीद के बाद टीसीएस में टाटा संस की हिस्सेदारी 72.19 फीसदी से बढ़कर 72.30 फीसदी पर पहुंच गई। इस बीच सार्वजनिक शेयरधारिता 27.81 फीसदी से घटकर 27.7 फीसदी रह गई है। टीसीएस की कुल चुकता पूंजी अब घटकर 3.66 अरब शेयर रह गई है, जो पहले 3.7 अरब शेयर रही थी। साल 2017 से टीसीएस चार बार पुनर्खरीद कर चुकी है और इस पर कुल मिलाकर 66,000 करोड़ रुपए खर्च किए हैं।

कैशबैक से जोड़े पेटीएम ने ग्राहक, वित्तीय सेवाएं देकर नहीं: आदित्य

मुंबई ।

वरिष्ठ बैंकर आदित्य पुरी ने वित्तीय सेवा कंपनी पेटीएम के कारोबारी मॉडल पर सवाल उठाते हुए कहा कि कंपनी ने कैशबैक देकर ग्राहक जुटाए है, सेवाओं के जरिये नहीं। पुरी ने शुरुआत से ही निजी क्षेत्र के एचडीएफसी बैंक की अगुवाई की थी और वर्ष 2020 में सेवानिवृत्त होने तक इसे क्षेत्र में सबसे बड़ा बैंक बना दिया। उन्होंने पेटीएम के कारोबारी मॉडल पर सवाल उठाया और यह सोचकर हैरानगी जताई कि अगर कंपनी इतने भुगतानों का प्रबंधन करती है तो मुनाफा कहां है? पुरी की तरफ से यह टिप्पणी दरअसल पेटीएम के शेयरों में भारी गिरावट के बीच आई है, जो अब उस कीमत से 75 फीसदी कम है जिस पर निवेशकों ने उन्हें आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) में खरीदा था। यह हालांकि पहली बार नहीं है जब उन्होंने इस तरह की कंपनियों के काम करने के तरीके पर सवाल उठाये हैं। उन्होंने मुंबई विश्वविद्यालय में आईएमसी चैंबर ऑफ कॉमर्स द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में कहा कि पेटीएम इतना भुगतान करती है लेकिन लाभ कब कमाएगी? एक बैंक के विपरीत पेटीएम ने कैशबैक की पेशकश के जरिये अपने लाखों ग्राहकों को आकर्षित किया है जबकि एक बैंक अपनी सेवाओं की पेशकश के लिए शुल्क लेता है और मुनाफा कमाता है।

रत्न एवं आभूषण क्षेत्र 100 अरब डॉलर निर्यात लक्ष्य तय करें: गोयल

दुबई ।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने रत्न एवं आभूषण निर्यातकों से आने वाले वर्षों में सालाना 100 अरब डॉलर के निर्यात का लक्ष्य तय करने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में निर्यात की दृष्टि से काफी संभावनाएं हैं। गोयल ने उद्योग से आग्रह किया कि वे बेहतर विपणन उपकरण और डिजाइन के जरिए निर्यात बढ़ाएं। गोयल ने रत्न एवं आभूषण निर्यात संवर्द्धन परिषद (जीजेईपीसी) के निर्यात सदस्यों को संबोधित करते हुए ककि कि आइए 100 अरब डॉलर का लक्ष्य तय करें। उन्होंने बताया कि देश के 400 अरब डॉलर के निर्यात में इस क्षेत्र की हिस्सेदारी करीब 10 फीसदी है। हिस्सेदारी करीब 10 फीसदी है। भारत ने चालू वित्त वर्ष 2021-22 में 400 अरब डॉलर के निर्यात लक्ष्य को पार कर लिया है। उन्होंने कहा कि सरकार संयुक्त अरब अमीरात और अन्य जगह में इस क्षेत्र के विकास को बढ़ावा देने के लिए एक सूत्रधार और प्रवर्तक के रूप में कार्य करेगी। गौरतलब है कि फरवरी में भारत और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) द्वारा एक व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौते (सीईपीए) पर हस्ताक्षर किए थे, जो एक मई से लागू होगा।

उन्होंने कहा कि इस समझौते से यूएई, अफ्रीका और पश्चिम एशिया के देशों सहित अन्य क्षेत्रों को निर्यात में बढ़ावा देने में मदद मिलेगी। यूएई में हमारा निर्यात बढ़ रहा है और आने वाले वर्षों में हम इसे दोगुना या तिगुना करने के लिए काम करेंगे। गोयल ने दुबई में हाल ही में द इंडिया ज्वेलरी एक्पोजिशन (आईजेईएक्स) केंद्र का भी उदघाटन किया।

साल 2022 में अपनी इलेक्ट्रिक कार केयूवी 100 से पर्दा उठ सकती महिंद्रा

मुंबई ।

इलेक्ट्रिक कारों की तरफ लोगों की दिलचस्पी देख कंपनियां आगे कई इलेक्ट्रिक कारें लांच करने को तैयार हैं, इसी क्रम में महिंद्रा भी अपने नई इलेक्ट्रिक कार महिंद्रा केयूवी 100 को इस साल लांच कर सकती है। पिछले ऑटो एक्सपो में, महिंद्रा ने तीन प्री-प्रोडक्शन कॉन्सेप्ट ईवी का प्रदर्शन किया था। केयूवी 100 इलेक्ट्रिक के लांच के बारे में अटकलें तब से चल रही हैं, जब से इस ऑटो एक्सपो में प्रदर्शित किया गया था। कुछ महीने पहले, कंपनी ने कुछ समय के लिए अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर इलेक्ट्रिक क्रॉस हैच को भी टीज किया था। बाद में, रिपोर्टों ने संकेत दिया कि महिंद्रा ने अभी के लिए इलेक्ट्रिक केयूवी 100 की लॉन्चिंग प्लान को रद्द कर दिया है। हालांकि, रिपोर्ट्स के अनुसार एंट्री-लेवल इलेक्ट्रिक क्रॉसओवर डेवलपमेंट और टेस्टिंग के अपने अंतिम चरण में है और इस साल के अंत तक बाजार में दस्तक दे सकती है या फिर 2023 की शुरुआत में लांच किए जाने की उम्मीद है। ये आगे लांच होने वाली महिंद्रा एक्सयूवी 300 इलेक्ट्रिक कार से पहले लांच हो सकती है।

संभावित कीमत और रेंज

लांच होने के बाद ये गाड़ी टाटा टिगोर ईवी को सीधे और कड़ी टक्कर देगा। कयास लगाया जा रहा है कि सिंगल चार्ज पर महिंद्रा केयूवी 100 इलेक्ट्रिक लगभग 250 किलोमीटर की रेंज पेश करेगी।

कयास लगाया जा रहा है कि सिंगल चार्ज पर महिंद्रा केयूवी 100 इलेक्ट्रिक लगभग 250 किलोमीटर की रेंज पेश करेगी। बता दें, एंट्री लेवल इलेक्ट्रिक कार में 15.9 किलो प्रतिवॉट का बैटरी पैक लगा होगा, जो कि 54 ड्ढद्धश्च (40किलोवाट) तक की पावर और 120 एनएम टॉर्क जेनरेट करने में सक्षम होगा। महिंद्रा केयूवी100 इलेक्ट्रिक का लुक इसके प्रोटोटाइप वर्जन से काफी मिलता-जुलता होगा और इसमें कंपनी अच्छे स्टैंडर्ड और सेफ्टी फीचर्स दे सकती है, जो कि मौजूदा समय में बेहद जरूरी हैं।

संक्षिप्त समाचार

भेल को इराक से मिला कंप्रेसर आपूर्ति का ठेका

नई दिल्ली । सार्वजनिक क्षेत्र की इंजीनियरिंग कंपनी भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (भेल) को इराक से कंप्रेसर आपूर्ति का ठेका मिला है। इराक के तेल मंत्रालय के अधीन आने वाली राष्ट्रीय तेल रिफाइनरी कंपनी नदर्न रिफायनरीज कंपनी (एनआरसी) ने यह ऑर्डर बैजी रिफाइनरी के लिए दिया है। भेल ने कहा कि इराक से कंप्रेसर आपूर्ति का बड़ा ऑर्डर मिलने के साथ कंपनी को अंतरराष्ट्रीय कारोबार में एक और उपलब्धि हासिल हुई है। इसमें इलेक्ट्रिक मोटर चालित कंप्रेसर की डिजाइन, इंजीनियरिंग, विनिर्माण एवं आपूर्ति करना शामिल है। इससे पहले 2000 में इराक को भेल ने ही कंप्रेसर की आपूर्ति की थी, नया कंप्रेसर उसी का स्थान लेगा पुराना कंप्रेसर इराक में युद्ध के कारण क्षतिग्रस्त हो गया था। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भेल अब तक फ्रांस, बांग्लादेश, इराक, ईरान, ओमान और बेलारूस को कंप्रेसर की आपूर्ति कर चुकी है। जानकारी के मुताबिक कंपनी की 88 देशों में मौजूदगी है।

सिटी समूह के उपभोक्ता कारोबार को खरीदेगा एक्सिस बैंक

नई दिल्ली । एक्सिस बैंक अमेरिका के प्रमुख वित्तीय संस्थान सिटी समूह के भारत में खुदरा बैंकिंग कारोबार का अधिग्रहण करेगा, इस सौदे की घोषणा जल्द ही होगी। जानकारी के मुताबिक यह सौदा संभवत- 2.5 अरब डॉलर (लगभग 18,000 करोड़ रुपए) में हो सकता है और इसके लिए नियामक मंजूरी लेना पड़ेगी। सिटी समूह ने अप्रैल 2021 में अपनी वैश्विक रणनीति के तहत भारत में अपने उपभोक्ता बैंकिंग कारोबार से बाहर निकलने की घोषणा की थी। बैंक के इस कारोबार में क्रेडिट कार्ड, खुदरा बैंकिंग, आवास ऋण और संपत्ति प्रबंधन शामिल हैं। इस बैंक की भारत में 35 शाखाएं हैं और इसके उपभोक्ता बैंकिंग कारोबार में करीब 4,000 लोग काम करते हैं। सिटी समूह ने भारत में कामकाज 1902 में शुरू किया था और उपभोक्ता बैंकिंग कारोबार में वह 1985 में उतरा था।

फ्यूचर एंटरप्राइजेज 19.16 करोड़ के कर्ज के भुगतान से चूकी

नई दिल्ली । फ्यूचर एंटरप्राइजेज लिमिटेड (एफईएल) एकबारगी पुनर्गठन योजना के तहत पंजाब नेशनल बैंक, केनरा बैंक और यूनियन बैंक ऑफ इंडिया को 19.16 करोड़ रुपए के भुगतान से चूक गई है। एफईएल ने इस महीने दूसरी बार चूक की है। कंपनी ने शेयर बाजारों को भेजी सूचना में कहा कि 19.16 करोड़ रुपए के भुगतान की आखिरी तारीख 28 मार्च थी। कंपनी ने कहा कि वह संबंधित बैंकरों या ऋणदाताओं के प्रति अपनी प्रतिबद्धताओं को पूरा नहीं कर पाई। एफईएल ने कहा कि हालांकि, रिजर्व बैंक के छह अगस्त, 2020 के परिपत्र के तहत उसके पास बकाया की तारीख से 30 दिन की समीक्षा की अवधि है। इससे पहले फ्यूचर समूह की कंपनी ने 25 मार्च को सूचित किया था कि वह एकबारगी पुनर्गठन योजना के तहत पीएनबी और केनरा बैंक को 93.99 करोड़ रुपए के भुगतान से चूक गई है।

पेट्रोल और डीज़ल की कीमतों में आठवीं बार बढ़ोतरी

नई दिल्ली । पेट्रोल और डीज़ल की कीमतों में बुधवार को एक बार फिर 80 पैसे प्रति लीटर की बढ़ोतरी की गई। पिछले नौ दिनों में कुल 5.60 रुपए प्रति लीटर की बढ़ोतरी की गई है। सार्वजनिक क्षेत्र की पेट्रोलियम विपणन कंपनियों की तरफ से जारी मूल्य संबंधी अधिसूचना के मुताबिक दिल्ली में पेट्रोल की कीमत 101.01 रुपए प्रति लीटर से बढ़कर अब 100.21 रुपए प्रति लीटर और डीज़ल की कीमत 91.47 रुपए प्रति लीटर से बढ़कर 92.27 रुपए प्रति लीटर हो गई है। पेट्रोल और डीज़ल की कीमतों में देश भर में वृद्धि की गई है, लेकिन इनके दाम स्थानीय कर के आधार पर अलग-अलग राज्यों में भिन्न हैं। पेट्रोल तथा डीज़ल की कीमतें रिकॉर्ड 137 दिन तक स्थिर रहने के बाद 22 मार्च को बढ़ाई गई थीं। तब से आठवीं बार कीमतों में वृद्धि की गई है। पेट्रोल और डीज़ल की कीमत में अब तक कुल 5.60 रुपए प्रति लीटर की बढ़ोतरी की गई है।

सैमसंग का स्मार्टफोन बाजार में 40 फीसदी हिस्सेदारी का लक्ष्य

नई दिल्ली । इस वर्ष इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी सैमसंग 20 से 45 हजार रुपए वाले स्मार्टफोन बाजार में 40 फीसदी की हिस्सेदारी प्राप्त करने का लक्ष्य लेकर चल रही है। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। कंपनी के पास 20,000 से 40,000 रुपए की स्मार्टफोन श्रेणी में फिलहाल 25 प्रतिशत की हिस्सेदारी है। सैमसंग इंडिया में मोबाइल कारोबार के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि कंपनी अपने हिस्सेदारी को बढ़ाने के लिए मूल्य नहीं बल्कि फ्लैगशिप उपकरण बनाकर आगे बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि गैलेक्सी ए 20,000 से 40,000 रुपए की श्रेणी में सबसे ज्यादा बिकने वाला मॉडल है और हम इस श्रेणी में अपनी स्थिति को और मजबूत कर रहे हैं। उनका कहना है कि अनुमान के अनुसार इस श्रेणी के बाजार में कंपनी की हिस्सेदारी 25 फीसदी है। इस साल के आखिरी तक हम इस श्रेणी में अपनी हिस्सेदारी को बढ़ाकर 40 प्रतिशत करने का लक्ष्य लेकर चल रहे हैं। तक हम इस श्रेणी में अपनी हिस्सेदारी को बढ़ाकर 40 प्रतिशत करने का लक्ष्य लेकर चल रहे हैं। तक हम इस श्रेणी में अपनी हिस्सेदारी को बढ़ाकर 40 प्रतिशत करने का लक्ष्य लेकर चल रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम इस लक्ष्य को गैलेक्सी ए श्रृंखला की बिक्री से हासिल करने का प्रयास करेंगे। कंपनी इस श्रृंखला में 4जी तकनीक में गैलेक्सी ए13, ए23 और 5जी तकनीक में ए33, ए53 और ए73 बेचती हैं।

सोना फिर हुआ महंगा, चांदी में भी तेजी

मुंबई ।

वैश्विक बाजार में उतार-चढ़ाव की वजह से बुधवार को भारतीय बाजार में भी सोने और चांदी की कीमतों में बढ़ोतरी दर्ज की गई। सोने का भाव एक महीने के निचले स्तर पर पहुंच गया था, जो वापस चढ़ रहा है। एमसीएक्स पर बुधवार को सोने की कीमत 0.45 फीसदी बढ़कर 51,518 रुपए प्रति दस ग्राम पर पहुंच गई है, वहीं चांदी के दाम में 0.21 फीसदी की तेजी आई है। इसके बाद चांदी का भाव उछलकर 67,085 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गया है। वैश्विक बाजार में भी सोने की कीमत पिछले कुछ सत्र में 2 फीसदी गिरने के बाद 0.1 फीसदी चढ़ गई। सोने का हाजिर भाव बुधवार को 1,920.6 डॉलर प्रति औंस तक पहुंच गया। मंगलवार को यह 1.8 फीसदी की बड़ी गिरावट के साथ 28 फरवरी के बाद सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया था। चांदी की कीमत में भी तेजी आई है। चांदी का हाजिर मूल्य 0.25 फीसदी बढ़त के साथ 24.99 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया।

विशेषज्ञों का कहना है कि रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध खत्म होने के बाद पीली धातु की मांग में कमी आएगी और कीमतें और भी नीचे जा सकती हैं। अनुमान है कि अगले 50 दिनों में वैश्विक बाजार में सोने का हाजिर भाव 1,892 डॉलर प्रति औंस तक जा सकता है। चांदी भी 24 डॉलर प्रति औंस के आसपास रहने का अनुमान है। भारतीय बाजार में चांदी 66,550 रुपए के आसपास ट्रेडिंग करने का अनुमान है, भारतीय बाजार में चांदी 66,550 रुपए के आसपास ट्रेडिंग करने का अनुमान है, जबकि सोना 50,550 रुपए तक सस्ता हो सकता है। देश भर में सोने के आभूषणों की कीमत उत्पाद शुल्क, राज्य करों और मेकिंग चार्ज के कारण बदलती रहती है।

पेट्रोल और डीजल पर रोड और इन्फ्रा सेस से पिछले दस सालों में 11.32 लाख करोड़ रुपये का राजस्व जुटाया गया

नई दिल्ली ।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को लोकसभा में कहा कि पेट्रोल और डीजल पर रोड और इन्फ्रा सेस से पिछले दस सालों में 11.32 लाख करोड़ रुपये का राजस्व जुटाया गया है। यह आंकड़ा वर्ष 2010-11 से 2022-23 के बीच की अवधि का है। यानी औसतन हर साल करीब एक लाख करोड़ रुपये सेस से प्राप्त हुआ है। सीतारमण ने ये भी जानकारी दी है कि वर्ष 2013-14 से 2022 के बीच हेल्थ एवं एजुकेशन सेस 3.77 लाख करोड़ रुपये का राजस्व जुटाया गया, जबकि इसमें उपयोगिता 3.94 लाख करोड़ रुपये की रही है। वित्त मंत्री ने यह भी बताया कि केंद्र की ओर से राज्यों को टैक्स में हिस्सेदारी के तौर पर 8.35 लाख करोड़ रुपये इस वित्तीय वर्ष में दिए गए हैं, जबकि संशोधित अनुमान 7.45 लाख करोड़ रुपये का था। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को कहा कि सरचार्ज और सेस के एवज में कटौती के दावे से संबंधित पिछली तिथि से संशोधन का उद्देश्य इस प्रावधान का दुरुपयोग रोकना है। यह खासकर उन लोगों के लिये है, जो इसे छूट या कारोबार खर्च के रूप में देखते रहे हैं। वित्त विधेयक में अधिभार या उपकर के लिए कटौती की अनुमति पर रोक आकलन वर्ष 2005-06 से लागू करने का प्रस्ताव रखा गया था। लोकसभा में वित्त विधेयक में संशोधन को दी गई मंजूरी के मुताबिक, उपकर या अधिभार के बदले कटौती के लिए किया गया कोई भी दावा 'कम बताई गई आय माना जाएगा और वह 50 फीसदी जुर्माने का हकदार होगा। वित्त मंत्री ने लोकसभा में वित्त विधेयक पर चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि करों पर लगने वाले उपकर एवं अधिभार का वर्षों से दुरुपयोग होता आया है और लोग इसे छूट या कारोबारी खर्च के तौर पर लेते रहे हैं। वित्त मंत्री ने कहा, इस पर लोग अदालतों में भी गए हैं। इसलिए पिछली तारीख से लागू होने वाले प्रभाव के साथ एक संशोधन लाया गया है ताकि अधिक स्पष्टता आए वित्त मंत्री ने इस संशोधन की वजह से करदाताओं पर किसी तरह का बोझ न पड़ने का जिक्र करते हुए कहा कि अगर करदाता खुद ही कटौती के रूप में बताई गई राशि का खुलासा कर अधिकारियों के सामने करते हैं तो उन पर कोई जुर्माना नहीं लगेगा। करदाता की आय का नए सिरे से आकलन किया जाएगा जिसके बाद वैध कर का भुगतान किया जा सकता है। वित्त मंत्री ने वित्त विधेयक में 39 संशोधनों का प्रस्ताव रखा था जिन्हें लोकसभा ने ध्वनि मत से मंजूरी दे दी।

इनमें क्रिप्टो करेंसी पर टैक्सेशन को लेकर नियम सख्त करने से संबंधित संशोधन भी शामिल है। वित्त वर्ष 2022-23 के बजट ने क्रिप्टो करेंसी से कमाई पर टैक्स की स्थिति स्पष्ट करने की कोशिश की है। 1 अप्रैल, 2022 से क्रिप्टोकरेंसी की लेनदेन से होने वाली आय पर 30 प्रतिशत की दर से आयकर लगने के अलावा उपकर एवं अधिभार भी लगाए जाएंगे।

सरकार ने 10 'बड़ी' बिजली परियोजनाओं को जरूरी दस्तावेज जमा करने के लिए तीन साल का समय दिया

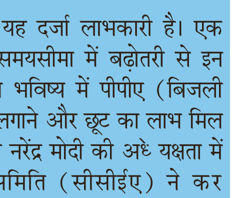

नयी दिल्ली । केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को 10 बिजली परियोजनाओं को बड़ी परियोजना का प्रमाणन हासिल करने के लिए जरूरी दस्तावेज जमा कराने की समयसीमा 36 महीने बढ़ाने को मंजूरी दी। कर लाभ और बिजली आपूर्ति के लिए निविदा प्रक्रिया में शामिल होने के लिए यह दर्जा लाभकारी है। एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि समयसीमा में बढ़ोतरी से इन परियोजनाओं का विकास करने वालों को भविष्य में पीपीए (बिजली खरीद समझौता) के लिए प्रतिस्पर्धी बोली लगाने और छूट का लाभ मिल सकेगा। बयान में कहा गया है, ''प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में मंत्रिमंडल की आर्थिक मामलों की समिति (सीसीईए) ने कर अधिकारियों को अंतिम 'मेगा' प्रमाणपत्र प्रस्तुत करने के उद्देश्य से 10 अस्थायी प्रमाणित परियोजनाओं के लिए समयसीमा को बढ़ाने (36 महीने) की आज मंजूरी दे दी।'' बयान में कहा गया कि ऐसी 10 अस्थायी बड़ी परियोजनाओं की समयसीमा आयात की तारीख से 120 महीने के बजाय 156 महीने तक बढ़ा दी गई है, जिन्हें कर अधिकारियों द्वारा अंतिम 'मेगा' प्रमाणपत्र प्रस्तुत करने के लिए आंशिक रूप से मंजूरी मिली है। बयान के मुताबिक, सीसीईए ने इन बिजली परियोजनाओं को अधिक समय देने के लिए वृहद बिजली नीति 2009 में संशोधन को मंजूरी दी है।

भारत भरेगा दुनिया का पेट, गेहूं का रिकॉर्ड निर्यात

मुंबई ।

रूस-यूक्रेन जंग के कारण दुनियाभर में गेहूं की कीमतें रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई हैं। भारत के पास गेहूं के बफर स्टॉक होने की खबरों से कीमतों पर लगाम लगी है। भारत के पास फिलहाल 12 मिलियन टन निर्यात लायक गेहूं का स्टॉक है। इस साल भारत दुनिया के उन देशों को गेहूं निर्यात करेगा, जो पहले रूस और यूक्रेन से गेहूं लिया करते थे। इन देशों में दुनिया का सबसे बड़ा गेहूं आयातक मिस्र भी शामिल है। विशेषज्ञों का कहना है कि खाद्य पदार्थों की कीमतों में विश्वभर में रूस-यूक्रेन युद्ध, अकाल और मांग बढ़ने के कारण भारी बढ़ोतरी हुई है। वहीं शिकागो में बेंचमार्क गेहूं के भाव 13.635 प्रति बुशेल के उच्चतम स्तर को पिछले महीने ही छू चुके हैं। भारत के गेहूं निर्यात करने से विश्व बाजार में गेहूं की सप्लाई बढ़ेगी। भारत चीन के बाद दुनिया में दूसरा सबसे बड़ा गेहूं उत्पादक है। सर्वे के अनुसार वर्ष 2022-23 में भारत के पास निर्यात करने लायक 12 मिलियन टन गेहूं है। अमरीकी कृषि विभाग के अनुसार वित्त वर्ष 2021-22 में भारत ने 8.5 मिलियन टन गेहूं का निर्यात किया था। सप्लाई कम होने और गेहूं की कीमतें बढ़ने के साथ ही बहुत से देश पहली बार भारत से गेहूं का आयात करने वाले है। पिछले पांच फसली सीजन से भारत में रिकॉर्ड गेहूं उत्पादन हो रहा है। इस कारण भारत के पास गेहूं का पर्याप्त अतिरिक्त भंडार है, जिस गेहूं का निर्यात कर सकता है। इस बार का गेहूं कटाई सीजन भी शुरू हो गया है। इस बार भी रिकॉर्ड उत्पादन का अनुमान लगाया जा रहा है।गेहूं निर्यात को लेकर भारत की गेहूं के सबसे बड़े आयातक मिस्र के साथ बातचीत लगभग फाइनल हो चुकी है। इसके अलावा चीन, तुर्की, बोसनिया, सूडान, नाइजीरिया और ईरान भी गेहूं लेने के लिए भारत के साथ बातचीत कर रहे हैं। पिछले दस महीनों में ही भारत के गेहूं निर्यात में चार गुणा बढ़ोतरी हुई है। बदली हुई वैश्विक परिस्थितियों में भारत को बांग्लादेश जैसे पड़ोसी देशों के अलावा अब अफ्रीका और मिडल ईस्ट रीजन में भी निर्यात गेहूं निर्यात के मौके मिलेगा। सिंगापुर स्थित अनाज की बड़ी आयात-निर्यात फर्म एग्रीकूप इंटरनेशनल के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर ने बताया कि भारत के गेहूं निर्यात करने से अंतरराष्ट्रीय मार्केट में गेहूं की सप्लाई कुछ सामान्य होगी।

केंद्र सरकार के कर्मचारियों का महंगाई भत्ता तीन प्रतिशत बढ़ा, इस साल एक जनवरी से प्रभावी

नयी दिल्ली । केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बढ़ती महंगाई से क्षतिपूर्ति को लेकर बुधवार को महंगाई भत्ते (डीए) और महंगाई राहत (डीआर) तीन प्रतिशत बढ़ाकर 34 प्रतिशत कर दी। इससे केंद्र सरकार के 1.16 करोड़ कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को लाभ होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में मंत्रिमंडल की बैठक के बाद जारी आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, अतिरिक्त किस्त एक जनवरी, 2022 से प्रभावी होगी। आधिकारिक बयान के अनुसार, ''केंद्रीय मंत्रिमंडल ने केंद्र सरकार के कर्मचारियों को महंगाई भत्ता और पेंशनभोगियों को महंगाई राहत की अतिरिक्त किस्त एक जनवरी, 2022 से जारी करने को मंजूरी दे दी है। इसके तहत मूल वेतन/पेंशन के 31 प्रतिशत की मौजूदा दर में तीन प्रतिशत की वृद्धि की गयी है, ताकि मूल्यवृद्धि की भरपाई की जा सके।'' विज्ञप्ति में कहा गया है कि यह वृद्धि सातवें केंद्रीय वेतन आयोग की सिफारिशों के आधार पर स्वीकृत फॉर्मूले के अनुरूप है। महंगाई भत्ते और महंगाई राहत में वृद्धि से सरकारी खजाने पर 9,554.50 करोड़ रुपये का बोझ पड़ेगा।विज्ञप्ति के अनुसार, इससे 47.68 लाख केंद्रीय कर्मचारियों और 68.62 लाख पेंशनभोगियों को लाभ होगा। विज्ञप्ति के अनुसार, इससे 47.68 लाख केंद्रीय कर्मचारियों और 68.62 लाख पेंशनभोगियों को लाभ होगा। इससे पहले, पिछले साल अक्टूबर में मंत्रिमंडल ने एक जुलाई, 2021 से महंगाई भत्ते और महंगाई राहत में तीन प्रतिशत की वृद्धि की थी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

Sports

आईपीएल अंक तालिका में राजस्थान रॉयल्स शीर्ष पर

मुम्बई । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में सभी टीमों ने अब तक एक-एक मैच खेल लिया है। इसे बाद आईपीएल अंकतालिका में राजस्थान टीम सबसे ऊपर आई है। वह 3.050 नेट रन रेट के साथ ही शीर्ष पर है। राजस्थान , दिल्ली कैपिटल्स, पंजाब किंग्स, कोलकाता नाइट राइडर्स और गुजरात टाइटन्स ने भी अपना पहला मैच जीता है और इन सभी टीमों के भी 2-2 अंक हैं हालांकि नेट रन रेट के आधार पर दिल्ली दूसरे (0.914 नेट रन रेट), पंजाब तीसरे (0.697 नेट रन रेट), केकेआर चौथे (0.639 नेट रन रेट) और गुजरात पांचवें (0.286 नेट रन रेट) स्थान पर हैं। वहीं अपना पहला मैच हारने वाली टीमों में लखनऊ सुपर जायंट के अलावा चेन्नई सुपर किंग्स, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु, मुंबई इंडियंस और सनराइजर्स हैदराबाद हैं। ये सभी टीमें नेट रन रेट के कारण छठे, सातवें, आठवें, नौवें और दसवें स्थान पर हैं। वहीं ऑरेंज कैप की दौड़ में आरसीबी के कप्तान फॉफ डु प्लेसिस 88 रन शीर्ष पर हैं। वहीं दूसरे स्थान पर मुंबई इंडियंस के इशान किशन हैं इशान के 81 रन हैं। सनराइजर्स के एडेन मार्कराम 57 रन के साथ ही तीसरे नम्बर पर हैं। वहीं चौथे और पांचवें नम्बर पर राजस्थान के कप्तान संजू सैमसन और लखनऊ के दीपक हुड्डा हैं जिनके 55-55 रन हैं।

हीली का शानदार शतक , वेस्टइंडीज हारी

महिला एकदिवसीय विश्वकप के फाइनल में पहुंची ऑस्ट्रेलिया

वेलिंगटन ।

ऑस्ट्रेलियाई टीम ने वेस्टइंडीज को हराकर एकदिवसीय महिला विश्वकप क्रिकेट टूर्नामेंट के फाइनल में प्रवेश किया है। सलामी बल्लेबाज एलिसा हीली के शानदार शतक 129 रनों की सहायता से ऑस्ट्रेलिया ने सेमीफाइनल में वेस्टइंडीज को 157 रन से हराया। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए ऑस्ट्रेलियाई टीम ने तीन विकेट पर 305 रन बनाये। बारिश की बाधा के कारण इस मैच को 45 ओवरों का कर दिया गया था। इसके बाद विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए वेस्टइंडीज टीम 37 ओवर में 148 रन ही बना पायी। वेस्टइंडीज की ओर से कप्तान स्टेफनी टेलर ने सबसे ज्यादा 48 रन बनाए जबकि बाकि बल्लेबाज ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों के सामने टिक नहीं पायीं। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए ऑस्ट्रेलिया टीम की शुरुआत अच्छी रही। हीली ने 107 गेंदों पर 17 चौकों और एक छक्के की सहायता से 129 रन बनाये जबकि हेन्स ने 100 गेंदों पर 85 रनों की शानदार पारी खेली। बारिश के कारण यह मैच 45 ओवर का कर दिया गया था। इस मैच में बारिश के कारण मैच करीब सवा घंटे की देरी से शुरू हुआ। वेस्टइंडीज ने टॉस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण का फैसला किया जो सही साबित नहीं हुआ। ऑस्ट्रेलिया की ओर से हीली और हेंस ने राचेल हेन्स ने अच्छी शुरुआत की और इन दोनो के बीच 216 रन की साझेदारी। कप्तान मेग लैनिंग ने नाबाद 26 और बेथ मूनी ने नाबाद 43 रन बनाये। इन दोनो ने स्कोर 300 रन के ऊपर पहुंचाया।इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए वेस्टइंडीज की सलामी बल्लेबाज राशदा विलियम्स खाता खोले बिना ही आउट हो गयी। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए वेस्टइंडीज की सलामी बल्लेबाज राशदा विलियम्स खाता खोले बिना ही आउट हो गयी। डींड्रा डोटिन भी 34 रन बनाकर सदरलैंड के हाथों कैच हो गयीं। हेली मैथ्यूज 34 के आउट होने के बाद पारी संभल नहीं पायीं। कप्तान टेलर ने एक छोर संभाले रखा लेकिन दूसरी तरफ से विकेट गिरते रहे। टेलर ने अपनी 75 गेंद की पारी में चार चौके लगाए। उसकी दो खिलाड़ी चिनेली हेनरी और अनिशा मोहम्मद चोटिल होने के कारण बल्लेबाजी के लिए नहीं उतरी। जेसी जानसन ने 14 रन देकर दो विकेट लिए। छह बार के चैंपियन ऑस्ट्रेलिया अब अपने सातवें खिताब के लिये फाइनल में इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका के बीच होने वाले दूसरे सेमीफाइनल के विजेता से खेलेगी।

ऑस्ट्रेलिया ने पहले ही एकदिवसीय मैच में पाक को हराया

लाहौर ।

ऑस्ट्रेलियाई पुरुष क्रिकेट टीम ने यहां खेले गए पहले एकदिवसीय मुकाबले में मेजबान टीम पाकिस्तान को 88 रनों से हरा दिया। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए ट्रेविस हेड के शानदार शतक से ऑस्ट्रेलियाई टीम ने 317 रन बनाए थे। इस प्रकार पाकिस्तानी टीम को जीत के लिए 318 रनों का लक्ष्य मिला जिसका पीछा करते हुए पाक टीम 225 रन ही बना पायी। सलामी बल्लेबाज इमाम उल हक ने शतक लगाया पर वह अपनी टीम को जीत नहीं दिला पाये। मध्य क्रम को जंपा ने ध्वस्त कर दिया। जंपा ने चार जबकि स्वैपसन और ट्रेविस हेड ने 2-2 विकेट लिए। ऑस्ट्रेलिया की जीत में स्पिनर एडम जंपा की अहम भूमिका रही। जंपा ने चार विकेट लेकर पाक टीम की कमर ही तोड़ दी।

ऑस्ट्रेलियाई टीम की ओर से पहले बल्लेबाजी करते हुए ट्रेविस हेड के साथ एरोन फिंच ने पारी शुरु की। फिंच 23 रन बनाकर आउट हुए। वहीं बेन मैकडेरमॉट ने 70 गेंदों में 4 चौकों की मदद से 55 रन बनाकर हेड का साथ दिया। हेड ने 72 गेंदों में 12 चौके और तीन छक्कों की मदद से 101 रन बनाए। लाबुछेन 25 तो स्टोइनिस 26 रन बनाने में सफल रहे। कैमरून ग्रीन ने 30 गेंदों में तीन चौके और एक छक्के की मदद से 40 रन बनाए। एबॉट ने 9 गेंदों में 14 रन बनाकर टीम को 313 रनों तक पहुंचाया। वहीं इसके बाद खेलने उतरी पाक टीम की शुरुआत भी अच्छी नहीं रही। फखर जमां 18 रन बनाकर ही पेवेलियन लौट गये। इसके बाद इमाम और कप्तान बाबर आजम ने स्कोर आगे बढ़ाया। बाबर ने 57 रन बनाए पर उनके आऊट होने के बाद पाक टीम की बल्लेबाजी ढ़ह गयी।

पुर्तगाल ने विश्व कप फुटबॉल के लिए क्वालीफाई किया

वाशिंगटन । पुर्तगान ने इस साल के अंत में कतर में होने वाले विश्व कप फुटबॉल के लिए क्वालीफाई कर लिया है। कप्तान क्रिस्टियानो रोनाल्डो की टीम ने यूरोपीय प्लेऑफ में उत्तरी मेसेडोनिया को 2-0 से हराकर विश्व कप के लिए टिकट हासिल किया। इसी के साथ ही रोनाल्डो को एक और विश्व कप खेलने का अवसर मिल गया है। पुर्तगाल ने लगातार छठी जबकि कुल आठवीं बार विश्व कप में जगह बनायी। कतर में 21 नवंबर से शुरू होने वाले टूर्नामेंट में मेजबान सहित 32 टीम भाग लेंगी जिनमें से अभी तक 27 टीम ने क्वालीफाई कर लिया है। विश्व कप के ड्रा शुक्रवार को निकाले जाएंगे। पुर्तगाल की जीत से ड्रा के लिये पहली आठ टीम कतर, अर्जेंटीना, बेल्जियम, ब्राजील, इंग्लैंड, फ्रांस, पुर्तगाल और स्पेन तय हुई हैं। वहीं क्रोएशिया, डेनमार्क, जर्मनी, नीदरलैंड, स्विट्जरलैंड और उरुग्वे वरीयता की टीमें दूसरी श्रेणी में शामिल हैं। इनके साथ मैक्सिको या अमेरिका में से किसी एक टीम को शामिल किया जाएगा जो बुधवार को क्वालीफाई करेगी। इस बार सभी की नजरें उत्तरी मेसेडोनिया पर थीं जिससे जिसने गत सप्ताह इटली को 1-0 से हराकर विश्व कप से बाहर कर दिया था पर पुर्तगाल के खिलाफ वह नाकाम रही।

20वीं दिल्ली स्टेट आर्म कुश्ती प्रतियोगिता में रॉयल स्पोर्ट्स क्लब टीम चैंपियन बना

नई दिल्ली ।

20वीं दिल्ली स्टेट आर्म रेसलिंग प्रतियोगिता 2020-21 बड़ी सफलता के साथ रॉयल सॉर्ट्स क्लब द्वारा आर्म रेसलिंग एसोसिएशन ऑफ़ नई दिल्ली के तत्वावधान में 27 मार्च 2022 को गुरु नानक पब्लिक स्कूल, पंजाबी बाग में दिल्ली संघ के पूर्व अति वरिष्ठ सदस्य स्वर्गीय राजेंद्र अधिकारी की स्मृति में आयोजित की गई। प्रतियोगिता का उद्घाटन मुख्य अतिथि फिल्म अभिनेत्री और पीपीएल निदेशक प्रीति झंगियानी के साथ प्रसिद्ध हस्तियों कैलाश सांकला (काउंसलर) रविंदर गुप्ता, रोशन लाल गोरखपुरिया, विजय मानव, गुरिंदर पाल सिंह, प्रो अनुज कुमार, राज कुमार गोयल, संजीव महाजन, दिनेश पांडे, दीपक सुचदेवा, श्याम सिंह, आशीष कुमार, कमल तंवर सुंदर निगम और अन्य विशिष्ट अतिथि। फिल्म अभिनेत्री प्रीति झंगियानी ने कहा कि आर्म रेसलिंग को बढ़ावा देने के लिए दिल्ली आर्म रेसलिंग एसोसिएशन संघ और मुख्य कोच लक्ष्मण सिंह भंडारी और टीम को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने बताया उनकी कंपनी इंडियन आर्म रेसलिंग फेडरेशन के सहयोग से भारतीय आर्म रेसलिंग खिलाड़ियों को व्यापक रूप से बढ़ावा दे रही है और प्रो पांजा लीग के माध्यम से भारत में ही अंतरराष्ट्रीय स्तर के आर्म रेसलिंग इवेंट आयोजित कर रही है। सभी मेहमान बड़ी संख्या में आर्म रेसलिंग खिलाड़ियों विशेष रूप से महिला खिलाड़ियों और सेना के खिलाड़ियों की भागीदारी को देखकर बहुत उत्साहित थे। उन्होंने आयोजकों को शानदार प्रतियोगिता आयोजित करने और सभी खिलाड़ियों को उनकी भागीदारी और आगामी राष्ट्रीय चैंपियनशिप के लिए बधाई दी। महासचिव, मुख्य कोच लक्ष्मण सिंह भंडारी ने कहा कि भारत में आर्म रेसलिंग दिन प्रति दिन नई ऊंचाइयों को छू रही है। इस प्रतियोगिता में प्रत्येक भार वर्ग में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। प्रत्येक श्रेणी में चैंपियन ऑफ चैंपियंस ट्रॉफी, नकद पुरस्कार और उपहार और विजेताओं में अंशुल रावत सब जूनियर, जूनियर दाहिने हाथ में

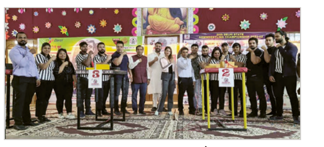

निखिल, अगस्त्य चौहान जूनियर बाएं हाथ, सिद्धांत कथूरिया युवा दाएं और बाएं हाथ, सीनियर संजय देसवाल दाहिने हाथ, सिद्धांत हैं। कथूरिया सीनियर लेफ्ट हाथ, नीतू वर्मा सीनियर राइट हाथ वुमन। रॉयल स्पोर्ट्स क्लब ने ओवरऑल टीम चैंपियनशिप जीती। श्री भंडारी ने कहा कि इस प्रतियोगिता के पहले और दूसरे विजेताओं का चयन 44वीं राष्ट्रीय आर्म रेसलिंग प्रतियोगिता के लिए किया जाएगा जो 31 मई से 6 जून 2022 तक हैदराबाद, तेलंगाना में होने जा रही है।

संक्षिप्त समाचार

पाकिस्तान के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज से बाहर हुए मिशेल

सिडनी । ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के ऑलराउंडर मिशेल मार्श चोटिल होने के कारण पाकिस्तान के खिलाफ सीमित ओवरों की श्रृंखला से बाहर हो गए हैं। मिशेल अब इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) फ्रेंचाइजी दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) से जुड़ेंगे। दिल्ली ने नीलामी में इस खिलाड़ी को साढ़े छह करोड़ रुपए में खरीदा था। उन्हें पाकिस्तान में अभ्यास के दौरान चोट लग गयी थी। इसी कारण वह लाहौर में हुए पहले एकदिवसीय में भी नहीं खेल पाये थे। मार्श अब फिजियोथेरेपिस्ट पैट्रिक फरहार्ट के मार्गदर्शन में चोट से उबरने की प्रक्रिया जारी रखेंगे। फरहार्ट 2020 आईपीएल सत्र से दिल्ली कैपिटल्स टीम के साथ बने हुए हैं। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने कहा, 'मार्श दिल्ली कैपिटल्स टीम के साथ जुड़ने के लिए भारत जाएंगे जहां वह पृथकवास पूरा करेंगे। इस दौरान पूर्व ऑस्ट्रेलियाई और न्यू साउथ वेल्स के फिजियो पैट फरवार्ट उनकी चोट से उबरने की प्रक्रिया का ध्यान रखेंगे। इस क्रिकेटर ने कहा, 'पाक में श्रृंखला में नहीं खेलने से निराश हूं पर मेरा प्रयास रहेगा कि अगले दौरे पर ऑस्ट्रेलियाई टीम के साथ दोबारा जुड़ सकूं। मार्श पाक के खिलाफ सीरीज के कारण ही दिल्ली के शुरूआती तीन मैच में नहीं खेलने जा रहे थे।

बोपन्ना और शापोवलोव मियामी ओपन में हारे

मियामी । भारत के रोहन बोपन्ना और उनके कनाडाई जोड़ीदार डेनिस शापोवलोव मियामी ओपन टेनिस टूर्नामेंट से बाहर हो गये हैं। बोपन्ना ओर शापोवलोव की जोड़ी को पुरुष युगल के क्वार्टर फाइनल मुकाबले में नीदरलैंड के वेस्ले कूलहोफ और इंग्लैंड के नील स्कूप्स्की की छठी वरीयता प्राप्त जोड़ी ने 2-6, 1-6 से हराया। भारतीय और कनाडाई खिलाड़ी की गैर वरीयता प्राप्त जोड़ी ने इससे पहले पिछले दौर में निकोला मेक्टिच और मेट पाविच की शीर्ष वरीयता प्राप्त क्रोएशियाई जोड़ी को सीधे सेटों में हराकर सबको हैरान कर दिया था।

अवसरों का लाभ नहीं उठा पाने के कारण हारे : विलियमसन

मुम्बई । सनराइजर्स हैदराबाद के कप्तान केन विलियमसन ने राजस्थान रॉयल्स से मिली हार के बाद कहा कि हमने गेंद से शानदार शुरुआत की पर हमारे पास कई अवसर थे जिसका हम लाभ नहीं उठा पाये। अब तक के सभी खेलों में नई गेंद से कुछ स्विंग और सहायता मिली है। हमें बहुत संभावना दिख रही थी पर हम लय में नहीं आ पाये। विलियमसन ने कहा कि यह पिच बल्लेबाजी के लिए काफी अच्छी थी। राजस्थान ने बहुत अच्छा खेला। हमने अधिक नो बॉल भी फेंकी पर इससे हमें ही नुकसान हुआ। हमारे लिए उन क्षेत्रों को देखना अहम हैं जहां हम सुधार कर सकते हैं। वहीं तेज गेंदबाज उमरान मलिक की गति पर विलियमसन ने कहा कि वह अविश्वसनीय रूप से उत्साहित हैं।

टी20 प्रारुप में होगा अंडर-19 महिला क्रिकेट विश्व कप : आईसीसी

वेलिंगटन।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने कहा है कि अगले साल जनवरी 2023 में होने वाला पहला आईसीसी अंडर-19 महिला क्रिकेट विश्व कप टी20 प्रारूप में खेला जाएगा। आईसीसी ने यह भी कहा कि इसकी मेजबानी का फैसला एक सप्ताह के अंदर होने वाली बोर्ड बैठक में होगा। आईसीसी के सीईओ ज्योफ एलार्डिस ने यह बात कही। एलार्डिस ने मीडिया से कहा, 'अंडर-19 विश्व कप जनवरी 2023 में होना निर्धारित है, इसका प्रारूप टी-20 होगा। टूर्नामेंट के मेजबान का फैसला बोर्ड बैठक में होगा। मेजबान का फैसला बोर्ड बैठक में होगा। इसके साथ ही आईसीसी के सीईओ ने यह भी कहा कि जुलाई 2022 में महिला क्रिकेट टूर्नामेंटों (2024-27) के अगले चक्र के मेजबानों की पुष्टि भी होगी। गौरतलब है कि आईसीसी ने अक्टूबर 2019 में बोर्ड की एक बैठक के दौरान पहला महिला अंडर-19 विश्व कप आयोजित करने की घोषणा की थी। अंडर-19 महिला विश्व कप जनवरी 2021 में होने वाला था पर कोरोना महामारी के कारण इसे दिसंबर 2021 तक के लिए टाल दिया गया था। इसके बाद जनवरी 2022 में यह खेला जाना था पर तभी कोरोना संक्रमण बढ़ने से एक बार फिर यह नहीं हो पाया।

हार्दिक पांड्या के टी20 विश्व कप टीम में शामिल होने को लेकर सुनील गावस्कर ने कही बड़ी बात

स्पोर्ट्स डेस्क । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2022 भारतीय खिलाड़ियों के लिए इस साल के अंत में ऑस्ट्रेलिया में होने वाले टी 20 विश्व कप के लिए राष्ट्रीय टीम में अपनी जगह बनाने का मौका है। कई खिलाड़ी इसमें शानदार प्रदर्शन कर टी20 विश्व कप टीम में अपनी जगह पक्की करना चाहेंगे जिनमें से एक नाम हार्दिक पांड्या हैं का है जो पिछले साल टी20 विश्व कप में टीम के जल्दी बाहर होने के बाद से भारत के लिए नहीं खेले हैं। पूर्व भारतीय क्रिकेटर और महान खिलाड़ी सुनील गावस्कर का कहना है कि यदि वह अच्छी गेंदबाजी करते हैं तो अपने आप उनका टी20 टीम में चयन हो जाएगा। भारतीय टीम में हार्दिक का चयन संदेह के घेरे में आ गया क्योंकि वह फिटनेस के मुद्दों के कारण नियमित रूप से गेंदबाजी नहीं कर पा रहे थे। हालांकि गुजरात टाइटन की लखनऊ सुपर जायंट्स पर 5 विकेट से जीत के दौरान ऑलराउंडर को दाएं हाथ से तेज गेंदबाज करते हुए देखा गया था और उन्होंने अपने चार ओवरों का कोटा भी पूरा किया। हार्दिक इस सीजन में टाइटंस की अगुवाई कर रहे हैं और उनके पास निश्चित रूप से साबित करने के लिए एक बिंदु होगा। हार्दिक ने 4 ओवरों में 37 रन दिए और इस दौरान वह अकसर 140-किमी प्रति घंटे की रफ्तार से गेंद फेंक रहे थे। उन्होंने अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाते हुए 28 गेंदों में 33 रन भी बनाए। उनकी गेंदबाजी देखकर गावस्कर ने कहा कि हार्दिक पांड्या गेंदबाजी करेंगे या नहीं, कितने ओवर फेंकेंगे, यह भी कुछ ऐसा होगा जो न केवल गुजरात टाइटंस, बल्कि पूरी क्रिकेट बिरादरी देख रही होगी। गुजरात टाइटंस, बल्कि पूरी क्रिकेट बिरादरी देख रही होगी। अगर वह अपनी बल्लेबाजी क्षमता के साथ अच्छी गेंदबाजी शुरू कर देता है तो वह विश्व टी 20 के लिए एक स्वचालित चयन बन जाएगा।

आईपीएल में कुछ खिलाड़ियों के खेलने से नाराजगी नहीं : एल्गार

डरबन। दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेट टीम के टेस्ट कप्तान डीन एल्गर टीम ने कहा है कि बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला की जगह इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में खेलने के कुछ खिलाड़ियों के फैसले से वह नाराज नहीं हैं। वहीं इससे पहले एल्गार ने खिलाड़ियों से कहा था कि वह आईपीएल की जगह राष्ट्रीय टीम की ओर से खेलने को प्राथमिकता दें। साथ ही कहा था कि इससे टीम के प्रति उनका समर्पण दिखेगा। इसके बाद भी कैगिसो रबाडा, लुंगी एनगिडी सहित कई स्टार खिलाड़ी आईपीएल में खेल रहे हैं। इसी को देखते हुए एल्गर ने कहा कि वह उन खिलाड़ियों के साथ खुश हैं जो राष्ट्रीय टीम में हैं पर इसमें नहीं खेलने वाले खिलाड़ियों से भी मुझे दिक्कत नहीं है। एल्गर ने कहा, 'मैं उन खिलाड़ियों के साथ बैठने में सहज हूं जो यहां नहीं हैं। मैंने उन खिलाड़ियों की मानसिक स्थिति जानने के लिए उनके साथ बातचीत की है। उन्होंने जो जवाब दिये मैं उनको लेकर सहज हूं। बांग्लादेश के खिलाफ श्रृंखला में दक्षिण अफ्रीका को अपने तेज गेंदबाज रबाडा, एनगिडी और मार्को जेनसेन के अलावा चोट से उबर रहे एनरिक नोर्किया की कमी भी खलेगी। उन्होंने कहा कि बल्लेबाज एडेन मार्कराम और रॉसी वान डेर डूसेन भी इस टेस्ट के लिए उपलब्ध नहीं हैं। एल्गर ने कहा, 'मैं जो कह सकता हूं और जो नहीं कर सकता, उसको लेकर मेरी अपनी सीमाएं हैं पर मुझे लगता है कि अपने को टेस्ट श्रृंखला के लिए उपलब्ध रखने के लिए कहने पर खिलाड़ियों को थोड़ा मुश्किल में डाल दिया था। श्रृंखला के लिए उपलब्ध रखने के लिए कहने पर खिलाड़ियों को थोड़ा मुश्किल में डाल दिया था। एल्गर के अनुसार उनकी टीम इस श्रृंखला में बेहतर प्रदर्शन के लिए तैयार हैं।

एसआरएछ के कोच टॉम मूडी ने की वाशिंगटन सुंदर की तारीफ, कहा- वह महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे

स्पोर्ट्स डेस्क ।

सनराइजर्स हैदराबाद के मुख्य कोच टॉम मूडी ने ऑलराउंडर वाशिंगटन सुंदर की सराहना की है और इस बात पर जोर दिया है कि वह आईपीएल 2022 में टीम के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। राजस्थान रॉयल्स ने हैदराबाद पर शानदार जीत हासिल की। हालांकि सुंदर ने महज 14 गेंदों में 5 चौके और 2 छक्कों की मदद से 40 रन की शानदार पारी खेली। टॉम मूडी ने मैच के बाद प्रेस कांफ्रेंस के दौरान वाशिंगटन सुंदर ने कहा कि हम अनुमान लगाते हैं कि समय के साथ वह एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाने जा रहे हैं। हमने पहचाना कि वाशिंगटन एक उत्कृष्ट ऑलराउंडर है, इसलिए हम उसे मेगा नीलामी में खरीदने के लिए उत्साहित थे। हमें उम्मीद है कि समय के साथ वह बल्ले और गेंद से महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले हैं। फिलहाल पक्ष के संतुलन के साथ वह नंबर 8 पर स्थित था लेकिन निश्चित रूप से यह उसके लिए स्थायी स्थिति नहीं है। मूडी ने कहा कि हमें इस बात के बारे में सोच करते हैं कि वह समय के साथ कहां समाप्त होने वाला है, चाहे वह यह सीजन हो या आने वाला सीजन। हम मानते हैं कि वहां कुछ वास्तविक गुणवत्ता है। मुख्य कोच ने आरआर के खिलाफ हार के दौरान नो बॉल देने के लिए अपने गेंदबाजों की आलोचना की। उन्होंने कहा कि यह अस्वीकार्य है - खेल के इस रूप में नो-बॉल।

आप पर भारी जुर्माना लगाया जाता है और हमने इसकी कीमत चुकाई है। जब आपने विपक्ष के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी को आउट किया है और आप उन्हें पारी की शुरुआत में बढ़त पर रखते हैं, भुवी (भुवनेश्वर कुमार) विशेष रूप से अच्छी गेंदबाजी कर रहे थे और (रोमारियो) शेफर्ड का पहला ओवर भी एक मजबूत ओवर था, यह एक पूरी तरह से अलग स्वर सेट करता है, जब आपने वह विकेट ले लिया है और गेंद अभी भी घूम रही है। गेंद अभी भी घूम रही है। गौर हो कि सनराइजर्स हैदराबाद का दूसरे मैच नई टीम लखनऊ सुपर जायंट्स से मैच 4 अप्रैल (सोमवार) को डॉ. डीवाई पाटिल स्पोर्ट्स एकेडमी, मुंबई में खेला जाएगा।

सेंटियागो में विश्वकप फुटबॉल के क्वालिफाइंग मैच में खेलती हुई चिली और उरुग्वे की टीमें।

जोधपुर में है देखने लायक कई जगहें

यूं तो देश के अलग-अलग कोने में कुछ अलग व नया देखने को मिलता है। लेकिन राजस्थान राज्य अपनी संस्कृति के साथ-साथ एतिहासिक महत्व के कारण भी लोग दूर-दूर से इस राज्य में घूमने के लिए आते हैं। राजस्थान राज्य का जोधपुर शहर एक बेहतरीन पर्यटन स्थल में से एक है। यह उन लोगों के लिए एक बेहरीन प्लेस है, जो राज्य के कल्चर को करीब से देखना चाहते हैं। जोधपुर शहर में कई बेहतरीन प्लेसेस हैं, जिन्हें एक ट्रेवलर को जरूर एक्सप्लोर करना चाहिए। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको जोधपुर शहर में देखने लायक कई बेहतरीन जगहों के बारे में बता रहे हैं-

मेहरानगढ़ किला

मेहरानगढ़ किला निस्संदेह जोधपुर में घूमने के लिए सबसे अच्छा पर्यटन स्थल है। यह 410 फीट ऊंची पहाड़ी की चोटी पर स्थित है। यह भारत के सबसे बड़े किलों में से एक है और इसके भीतर कई महल हैं। 1460 में राव जोधा द्वारा निर्मित, किला अपनी जटिल नक्काशी के लिए जाना जाता है। इस किले को अब एक संग्रहालय में बदल दिया गया है जो जोधपुर की समृद्ध संस्कृति और विरासत को दर्शाता है।

घंटाघर और सदर बाजार

घंटाघर जोधपुर का एक ऐतिहासिक स्थल है। यह वह स्थान है जहां से पुराना जोधपुर शुरू होता है। सरदार मार्केट के बगल में पुराने शहर में स्थित, यह एक लंबा विशाल टावर है जिसे महाराजा सरदार सिंह ने 1880 और 1911 के बीच अपने शासन के दौरान बनाया था। रात में क्लॉक टॉवर सुंदर रोशनी से जगमगाता है और अद्भुत लगता है। सदर मार्केट जोधपुर के सबसे प्रमुख शॉपिंग डेस्टिनेशन में से एक है।

सरदार गवर्नमेंट म्यूजियम

यह जोधपुर में इतिहास प्रेमियों के लिए सबसे अच्छी जगहों में से एक है। यह म्यूजियम आपको राजस्थान के बीते युग के बारे में एक महान जानकारी देगा। सरदार गवर्नमेंट म्यूजियम का निर्माण एडवर्डियन वास्तुकार हेनरी वॉन लैंचेस्टर ने महाराजा उम्मेद सिंह के शासन के दौरान किया था। इसका नाम महाराजा सरदार सिंह के नाम पर रखा गया था। यह एक पुराना म्यूजियम है जो राजाओं और अन्य ऐतिहासिक चीजों के चित्रों को प्रदर्शित करता है। इसके अलावा, यहां पर पत्थर की मूर्तियों, लघु चित्रों, टेराकोटा, धातु की वस्तुओं, हथियारों, सिक्कों और कला और शिल्प वस्तुओं को प्रदर्शित किया गया है।

उम्मेद भवन पैलेस

यह संभवतः जोधपुर में घूमने के लिए सबसे अच्छी जगहों में से एक है। महल का इंटीरियर इंडो-सरसेनिक, क्लासिकल रिवाइवल और वेस्टर्न आर्ट डेको शैलियों के साथ डिजाइन किया गया है। जिसे अब एक हैरिटेज होटल में बदल दिया गया है। बता दें कि उम्मेद भवन 1943 में बनाया गया था। पैलेस में 347 कमरे हैं। यह आजादी से पहले भारत में बना आखिरी महल भी है। इसे ब्रिटिश आर्किटेक्ट हेनरी लैंकेस्टर ने डिजाइन किया है। महल के एक हिस्से में एक संग्रहालय भी है जो शाही युग की कलाकृतियों को प्रदर्शित करता है, जिसे देखना यहां की सबसे अच्छी बात है।

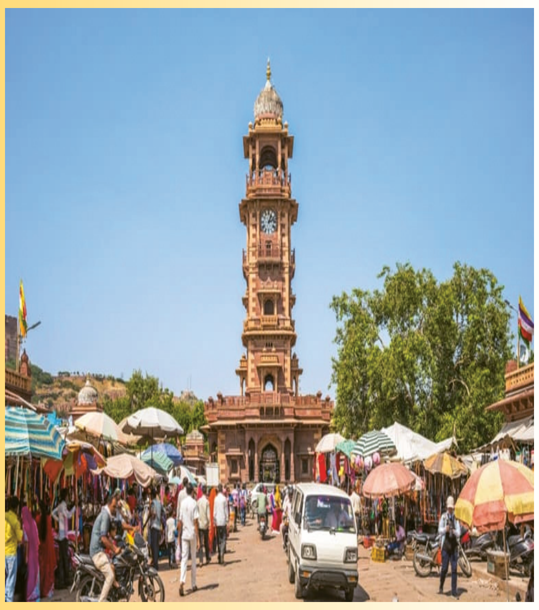

फैमिली ट्रिप के लिए बेस्ट हैं ये 5 जगहें, गर्मियों की छुट्टियों में बच्चों को लेकर जरूर जाएं

घूमना किसे पसंद नहीं होता है! वह भी जब फैमिली के साथ घूमने जाना हो तो मजा दोगुना हो जाता है। रोजमर्रा की जद्दो-जहद और टेंशन से दूर परिवार के साथ वक्त बिताने की बात ही अलग होती है। यही वजह है कि लोग छुट्टी मिलते ही परिवार के साथ घूमने निकल पड़ते हैं। अगर आप भी गर्मियों की छुट्टी में बाहर घूमने जाने का प्लान बना रहे हैं तो यह लेख ज़रूर पढ़े। आज हम आपको कुछ ऐसी जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं जो फैमिली ट्रिप के लिए बेस्ट हैं -

आगरा

अगर फैमिली के साथ घूमने का प्लान बना रहे हैं तो आगरा जा सकते हैं। यह शहर घूमने के लिहाज से बेहद अच्छा है और इसका एक खास ऐतिहासिक महत्त्व है। यहाँ आप बच्चों को ताजमहल और आगरा फोर्ट दिखा सकते हैं और परिवार के साथ मौज-मस्ती भरे पल एन्जॉय कर सकते हैं।

अंडमान और निकोबार

अंडमान और निकोबार एक बेहतरीन पर्यटन स्थल है, जहाँ आप अपने परिवार या पार्टनर के साथ जा सकते हैं। यहां के सदाबहार वन और खूबसूरत रेतीले समुद्र तट हर किसी को अपनी ओर आकर्षित करते हैं। यहाँ आप बच्चों को सेल्यूलर जेल भी दिखा सकते हैं, जिसे इतिहास में कालापानी की सजा के लिए जाना जाता है। यहाँ आप हैवलॉक आइलैंड पर वॉटर स्पोर्ट एक्टिविटीज का लुत्फ़ भी उठा सकते हैं।

दार्जिलिंग

दार्जिलिंग एक बेहद खूबसूरत हिल स्टेशन है जहाँ आप अपने परिवार के साथ छुट्टियां बिताने जा सकते हैं। अपने चाय के बागानों के लिए यह हिल स्टेशन दुनियाभर में मशहूर है। यहाँ आप अपने परिवार के साथ प्राकृतिक सुंदरता के बीच सुकून के कुछ पल बिता सकते हैं। यहाँ आप बच्चों को टॉय ट्रेन में घुमाना ना भूलें।

श्रीनगर

श्रीनगर शहर अपनी खूबसूरत वादियों और झीलों के लिए दुनियाभर में मशहूर है। यहाँ आप अपने परिवार के साथ डल झील की सवारी कर सकते हैं। श्रीनगर में ट्यूलिप गार्डन, शालीमार बाग, परी महल और चश्मे शाही कुछ प्रसिद्ध पर्यटन स्थल हैं। यहाँ की प्राकृतिक खूबसूरती आपका मन मोह लेगी।

नैनीताल

उत्तराखंड का नैनीताल जिला अपनी खूबसूरत झीलों और जिम कॉर्बेट नेशनल पार्क के लिए प्रसिद्ध है। यहां आप वन्यजीवों के साथ-साथ पेड़-पौधों की भी बहुत सारी प्रजातियां देख सकते हैं। यहाँ पर आप अपने परिवार के साथ एडवेंचर जंगल सफारी में जा सकते हैं। नैनीताल में और भी कई खूबसूरत जगहें हैं, जैसे गर्जिया देवी मंदिर, सीताबनी वन्यजीव अभ्यारण्य, कॉर्बेट फॉल्स आदि।

मनाली जाने का प्लान कर रहे हैं तो इन 10 बातों का रखें ध्यान

हिमाचल प्रदेश का एक खूबसूरत पर्यटन स्थल है मनाली, जो शिमला से लगभग 275 किलोमीटर दूर है। चारों ओर से पहाड़ों से घिरे मनाली को देखकर रोमांच और रोमांस का अनुभव होता है। एडवेंचरस के शौकिन लोगों के लिए यह बेहतरीन स्पॉट है। यह बेस्ट हनीमून स्पॉट भी है। यदि आप यहां घूमने का प्लान बना रहे हैं तो जानिए यहां की 10 खास बातें।

मनाली हिमाचल प्रदेश

1. एडवेंचरस : एडवेंचरस के शौकिन लोगों के लिए यह बेहतरीन स्पॉट है। यहां आने वाले पर्यटक कस्बे में स्थित गांव में ठहरते हैं। यहां आप ट्रैकिंग, स्कीइंग और राफ्टिंग का मजा लेते हैं। मनाली से 13 किलोमीटर की दूरी पर स्थित सोलन या सोलांग वैली सैलानियों को खासी आकर्षित करती है। यहां ट्रैकिंग, स्कीइंग और माउंटेनियरिंग के कैंप आयोजित किए जाते हैं। आप यहां पैराग्लाइडिंग, पैराशूटिंग, स्कीइंग और हॉर्स राइडिंग भी कर सकते हैं।
2. प्रकृति का खजाना: चारों ओर से पहाड़ों से घिरे मनाली को देखकर रोमांच और रोमांस का अनुभव होता है। मनाली न केवल अपने अद्?भुत प्राकृतिक सौंदर्य के कारण पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र है, बल्कि कुल्लू घाटी का असली सौंदर्य मनाली में ही देखने को मिलता है। यहां देखने और घूमने के लिहाज से बहुत से मशहूर स्थल हैं। यहां की सुरमई शाम अलसाती भोर का मजा ही कुछ और है। मनाली में व्यास नदी, जोगिनी झरना, सोलांग घाटी, रोहतांग पास और हिमवैली देखने लायक है।
3. कोठी राहला फॉल्स : मनाली से करीब 12 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है कोठी। यहां से पहाड़ों का मनोरम दृश्य दिखाई देता है। यहां बीस नदी का तेजी से बहता ठंडा पानी अदभुत नजारा पेश करता है। कोठी से दो किमी की दूरी पर बीस नदी पर राहला फॉल्स स्थित है। यहां 50 मीटर की ऊंचाई से गिरता झरने का पानी सैलानियों को खूब लुभाता है।
4. जंगल: मनाली सैंचुरी में पर्यटक कैपिंग के लिए पहुंचते हैं।
5. रोहतांग पास : मनाली से करीब 53 कि.मी. दूर स्थित प्रसिद्ध रोहतांग पास में पर्यटकों को ग्लेशियर, चोटियां और घाटियों के एडवेंचरस और सांसें रोक देने वाले दृश्य दिखाई देते हैं।
6. धार्मिक स्थिल : मनाली में हडिंबा देवी मंदिर, मनीकरण गुरुद्वारा, व्यास कुंड, लकड़ी से बना शिव मंदिर आदि कई धार्मिक स्थल है।

7 बोटिंग : मनाली में कुछ छोटे-छोटे गार्डन भी है, जहां पर्यटक बोटिंग का लुत्फ उठाते है। बोट क्लब के निचले हिस्से से चट्टानों के बीच से व्यास नदी बहती नजर आती है।

8. हवा का झरोखा: मनाली के बाहरी भाग में हवा का एक अनोखा प्राकृतिक स्थान है- 'झरोखा'। यह स्थान तीनों तरफ से पहाड़ियों से घिरा है। उन पहाड़ियों के बीच से लगातार ठंडी हवाएं बहती रहती है। यहां एक शिव मंदिर भी है, जो पूर्णतयाः 'लकड़ी' से बना है। यह प्राचीन कला कौशल का श्रेष्ठ प्रमाण है।
9. हनीमून डेस्टीनेशन : यह बेस्ट हनीमून स्पॉट भी है। आप चाहें तो यहां पर किराए पर बाइक लेकर ओल्ड मनाली में घूम सकेत हैं। लोकल मार्केट में जाएं और यहां स्वादिष्ट खाने का मजा लें। यदि आप नानवेज खाने के शौकिन हैं तो यहां कि ट्राउट जरूर खाएं जो एक प्रकार की मछली है।
10. सावधानियां : मनाली जा रहे हैं तो अपनी सुरक्षा, ट्रेकिंग के सभी सामान ले जाएं। बर्फबारी और ठंड से बचने के लिए भी इंतजाम कर लें। यहां भूस्खल भी होते रहते हैं। जनवरी और फरवरी में यहा स्नोफॉलल होता है।

कैसे पहुंचे : इसका नजदीकी रेलवे स्टेशन जोगिंदर नगर है। चंडीगढ़ या दिल्ली तक ट्रैन से पहुंचकर मनाली के लिए बस उपलब्ध है। चंडीगढ़ से मनाली की दूरी 309 किलोमीटर है। मनाली के नजदीक भंतूर एयरपोर्ट है।

गुवहाटी घूमने जा रहे हैं तो इन प्रसिद्ध मंदिरों में दर्शन करना ना भूलें, दूर-दूर से आते हैं लोग

गुवाहाटी, पूर्वोत्तर राज्य असम का सबसे बड़ा शहर है। यह भारत के पूरे उत्तर-पूर्वी क्षेत्र में सबसे बड़ा महानगर भी है, जो इसे इस क्षेत्र के अन्य गंतव्यों के लिए सबसे पसंदीदा मंच बनाता है। एक तरफ ब्रह्मपुत्र नदी और दूसरी तरफ शिलांग पठार से घिरा यह शहर पहले प्रागज्योतिषपुरा के नाम से जाना जाता था। यह शहर चारों ओर से छोटी-छोटी पहाड़ियों से घिरा हुआ है और अपनी प्राकृतिक सुंदरता से पर्यटकों को आकर्षित करता है। गुवाहाटी में कई प्राचीन मंदिर भी हैं जहां हर साल लाखों लोग धार्मिक उद्देश्यों के लिए आते हैं। नीलाचल पहाड़ी की चोटी पर स्थित कामाख्या मंदिर, गुवाहाटी का सबसे प्रमुख पर्यटक आकर्षण है। हर साल हजारों की संख्या में भक्त इस मंदिर में दर्शन के लिए आते हैं। कामाख्या मंदिर के अलावा, अन्य पवित्र मंदिर जैसे उमानंद और नवग्रह भी शहर में मौजूद हैं। आज के इस लेख में हम आपको गुवाहाटी के प्रसिद्ध मंदिरों के बारे में बताने जा रहे हैं -

कामाख्या मंदिर

कामाख्या मंदिर, गुवाहाटी के सबसे पवित्र और लोकप्रिय स्थानों में से एक है। यह देवी दुर्गा के 51 शक्तिपीठों में से एक है और सबसे महत्वपूर्ण तीर्थ केंद्रों में शामिल है। मुख्य मंदिर के अंदर देवी त्रिपुरसुंदरी, मातंगी और कमला की मूर्तियां हैं, जबकि अन्य सात रूप मुख्य मंदिर के आसपास के अलग-अलग मंदिरों में पाए जाते हैं। देवी कामाख्या को समर्पित यह मंदिर हर साल पांच दिनों के लिए बंद रहता है क्योंकि ऐसा माना जाता है कि इस अवधि के दौरान देवी मासिक धर्म का अनुभव करती हैं। छठे दिन, देवी को स्नान कराया जाता है और अनुष्ठान किया जाता है। इस दिन भव्य मेले का आयोजन किया जाता है, जिसमें हजारों की संख्या में श्रद्धालु शामिल होते है।

उग्रतारा मंदिर

उग्रतारा मंदिर, जिसे उग्रो तारा मंदिर भी कहा जाता है, देवी काली को समर्पित है, यह मंदिर जोर पुखुरी, उज़ान बाज़ार के पश्चिमी किनारे पर स्थित है। उग्रतारा मंदिर असम के सबसे महत्वपूर्ण तीर्थस्थलों में से एक है। ऐसा माना जाता है कि देवी उग्र तारा, माता पार्वती का दूसरा रूप हैं। मंदिर के गर्भगृह में देवी की मूर्ति नहीं है। इसके बजाय, पानी से युक्त एक छोटा सा गड्ढा देवी के रूप में माना जाता है और उसकी पूजा की जाती है। बौद्ध धर्म से संबंधित एक पौराणिक कथा भी है और इस प्रकार यह मंदिर बौद्धों द्वारा भी पूजनीय है। यह 1725 ई। में अहोम राजा शिव सिंह द्वारा निर्मित एक महत्वपूर्ण शक्ति मंदिर है।

भुवनेश्वरी मंदिर

नीलाचल पहाड़ी की चोटी पर स्थित प्रसिद्ध भुवनेश्वरी मंदिर, गुवहाटी के लोकप्रिय मंदिरों में से एक है। यह मंदिर देवी भुवनेश्वरी को समर्पित है, जो हिंदू पौराणिक कथाओं के अनुसार दस महाविद्या देवियों में से एक है। इस मंदिर में पत्थर की संरचना काफी हद तक कामाख्या मंदिर के समान है। अंबुबाची और मनशा पूजा के दौरान दुनिया भर से बड़ी संख्या में भक्त यहाँ आते हैं।

उमानंद मंदिर

ब्रह्मपुत्र नदी के बीच मयूर द्वीप पर स्थित, उमानंद मंदिर, गुवाहाटी के सबसे प्रसिद्ध मंदिरों में से एक है। भगवान शिव को समर्पित इस मंदिर का निर्माण अहोम राजा गदाधर सिंह के शासन में किया गया था। हर साल शिवरात्रि के दौरान बड़ी संख्या में उपासक यहाँ आते हैं। मंदिर न केवल भव्य और सुंदर है बल्कि इसके चारों ओर ब्रह्मपुत्र नदी का नजारा भी मनोरम है। इस मंदिर की एक दिलचस्प विशेषता यह है कि मंदिर की दीवारों पर अनगिनत नक्काशी है। मंदिर की दीवारों पर सूर्य, शिव, गणेश और देवी जैसे कई हिंदू देवताओं के चित्र उकेरे गए हैं।

नवग्रह मंदिर

नवग्रह का अर्थ है 'नौ ग्रह'। नवग्रह मंदिर चित्रसाल पहाड़ियों पर स्थित है। नौ ग्रहों को इंगित करने के लिए, मंदिर के अंदर नौ शिवलिंग हैं। प्रत्येक शिवलिंग अलग-अलग रंग के कपड़ों से ढका हुआ है, जो 9 ग्रहों का प्रतिनिधित्व करता है। ऐसा माना जाता है कि नवग्रह मंदिर 18वीं शताब्दी में अहोम राजा राजेश्वर सिंह और बाद में उनके पुत्र रुद्र सिंह या सुखरंगफा के समय में बनाया गया था। नवग्रह मंदिर के परिसर में एक और अतिरिक्त आकर्षण सिलपुखुरी है। यह एक तालाब है जो हमेशा भरा रहता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भ्रष्टाचार प्रतियोगिता में

&

भ्रष्टाचार की जानकारी देने

National Rights Group
Youtube Channel

krantisamay@gmail.com

9879141480

fight against corruption india

भारत में भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पुतिन को शांति पर सहमत करने में कर सकता है 'सॉफ्ट पावर' का प्रयोग, ईयू नेताओं ने जताई उम्मीद

लंदन ।

यूरोपीय संघ (ईयू) के कुछ नेताओं ने उम्मीद जताई कि रूस-यूक्रेन संघर्ष में बातचीत का रास्ता चुनने के लिए भारत रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को प्रभावित करने को लेकर अपने 'सॉफ्ट पावर' का उपयोग करने में सक्षम हो सकता है। नीदरलैंड के विचार समूह 'द लंदन स्टोरी' द्वारा डिजिटल माध्यम से आयोजित सामूहिक परिचर्चा में स्वीडन से जैकप डलांदे और डेनमार्क से मारग्रेट औकन ने हिस्सा लिया। दोनों यूरोपीय संसद में ग्रीन/यूरोपियन फ्री अलायंस के सदस्य हैं। 'यूरोपीय संघ और रूसी हितों के बीच फंसे यूक्रेन पर भारत का रुख' विषय पर वार्ता में पूर्व भारतीय विदेश सचिव श्याम सरन भी शामिल हुए। जैकप ने कहा उम्मीद है कि यूरोपीय संघ अपने सॉफ्ट पावर का उपयोग लोकतंत्र की ओर भारत के झुकाव को आसान बनाने के लिए कर सकता है और भारत अपने 'सॉफ्ट पावर' का उपयोग पुतिन को यह समझाने के लिए कर सकता है कि एक कदम बातचीत की मेज की ओर कार्रवाई का सबसे अच्छा तरीका है। उल्लेखनीय है कि सॉफ्ट पॉवर शब्द का प्रयोग अंतर्राष्ट्रीय संबंधों में किया जाता है, जिसके तहत कोई देश परोक्ष रूप से सांस्कृतिक या वैचारिक साधनों के माध्यम से किसी अन्य देश के व्यवहार या हितों को प्रभावित करता है। औकन ने भारत के लिए आंतरिक और बाहरी रूप से लोकतांत्रिक मूल्यों पर खरा उतरने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। पूर्व फ्रांसीसी राजनयिक जैस्मीन जेरिनिनी ने कहा कि हाल के वर्षों में यूरोपीय संघ-भारत संबंधों के लिए सुरक्षा सहयोग कैसे अधिक प्रासंगिक हो गया है। एक सवाल के जवाब में सरन ने कहा कई समझौते हैं जो अंतरराष्ट्रीय संबंधों के संबंध में किए गए हैं, इसलिए संबंधित देशों पर उंगली उठाना बहुत मददगार नहीं है। सरन ने कहा आज के समय में विश्व अर्थव्यवस्था की वैश्वीकृत प्रकृति को स्वीकार करने की आवश्यकता है ।

नेपाली कांग्रेस ने स्थानीय चुनावों के लिए गठबंधन सहयोगियों से हाथ मिलाया

काठमांडू ।

प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा के साथ प्रमुख सत्तारूढ़ दल नेपाली कांग्रेस ने अपने गठबंधन सहयोगी पुष्पकमल दहल ''प्रचंड की अगुवाई वाले सीपीएन-माओवादी केंद्र और माधव नेपाल की सीपीएन-यूनिफाइड सोशलाइट के साथ 13 मई को होने वाले स्थानीय निकाय चुनावों के लिए गठबंधन करने का फैसला किया है। देउबा (74) ने पिछले साल जुलाई में प्रचंड, माधव नेपाल, जनता समाजवादी पार्टी और राष्ट्रीय जनमोर्चा के समर्थन से प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली थी। नेपाली कांग्रेस के प्रवक्ता डॉ. प्रकाश शरण महत ने कहा, बुधवार को हुई सीडब्ल्यूसी की बैठक में जरूरत के अनुसार और स्थानीय स्थिति को देखकर सत्तारूढ़ साझेदारों के साथ चुनावी गठबंधन करने का फैसला किया गया है।'' देउबा ने पहले संकेत दिए थे, कि ये चुनाव गठबंधन सहयोगियों के साथ मिलकर लड़े जाएंगे। इस फैसले को लेकर असंतोष है। शेखर कोइराला धड़ा किसी भी पार्टी के साथ चुनावी गठबंधन के खिलाफ अड़ा हुआ है।

वहीं, प्रचंड और नेपाल दोनों इसके खिलाफ रहे हैं कि देउबा आगामी स्थानीय स्तर के चुनावों के लिए केपी शर्मा ओली की अगुवाई वाली सीपीएन-यूएमएल के साथ गठबंधन करें। महत ने कहा कि नेपाली कांग्रेस का मजबूत आधार है और वह चुनावों में जीत हासिल करने की राह पर है।

एयर ट्रैफिक कंट्रोल टावर में अपनी पार्टनर के साथ संबंध बना रहा था कर्मचारी

लंदन ।

पिछले दिनों खबर आई थी,जब एयर होस्टेज ने खुलासा किया था कि उड़ती फ्लाइट में ब्रिटिश फुटबॉलर ने पार्टनर से संबंध बनाया था। यह खबर दुनियाभर में वायरल हुई थी। ऐसी ही चौंकाने वाली घटना सामने न्यूजीलैंड से सामने आई है, जहां एक एयर ट्रैफिक कंट्रोल टावर पर काम करने वाला कर्मचारी संबंध बनाते समय पकड़ा गया। इतना ही नहीं वह वहीं से पायलट से बात भी कर रहा था। दरअसल, यह घटना न्यूजीलैंड की है। रिपोर्ट में बताया कि हालांकि यह घटना कुछ पुरानी है और इसका मामला कोर्ट में चल रहा था। इस पर अब फैसला आया है और यह घटना फिर एक बार वायरल हो रही है। कर्मचारी पर आरोप है कि वह ड्यूटी के दौरान ही एयर ट्रैफिक कंट्रोल टावर पर अपनी पार्टनर के साथ था। बताया जा रहा हैं कि एयर ट्रैफिक कंट्रोलर उस समय अपनी पार्टनर के साथ संबंध बना रहा था जब उसे एक पायलट को निर्देश देना था। बताया गया कि इसी दौरान किसी अन्य कर्मचारी से उसकी पोल खोलकर अधिकारियों को सूचित कर दिया। घटना के बाद उसके लाइसेंस को रद कर दिया गया था। इसके खिलाफ वह कोर्ट चला गया था। कोर्ट के आदेश के बाद मामले की जांच शुरू की गई। कोर्ट के आदेश के बाद मामले की जांच शुरू की गई। मामले में फिलहाल कोर्ट ने कर्मचारी के पक्ष में फैसला सुनाया है। उसके लाइसेंस को फिर से बहाल कर दिया गया है। जानकारी के मुताबिक कर्मचारी ने कोर्ट में अपना पक्ष रखा और सारे कागज भी जमा किए। कोर्ट को बताया कि उसकी पार्टनर उसे ब्लैकमेल भी कर रही थी। उसने बताया कि वे दोनों एक डेटिंग ऐप के जरिए मिले थे। फिलहाल उसने फिर से ड्यूटी शुरू कर दी है।

भारत और चीन एक-दूसरे के लिए खतरा नहीं, बल्कि परस्पर सहयोगी : वांग

बीजिंग ।

चीनी विदेश मंत्री वांग यी ने कहा कि अपनी हाल की भारत यात्रा के दौरान, उन्होंने उत्सुकतापूर्वक महसूस किया कि दोनों पक्ष नेताओं की इस आम राय को मानने के लिए सहमत हुए थे कि दोनों देश एक-दूसरे के वास्ते खतरा नहीं हैं और अपने मतभेदों को दूर कर सकते हैं। वांग ने 25 मार्च को नई दिल्ली की अपनी अघोषित यात्रा के दौरान राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और विदेश मंत्री एस जयशंकर के साथ बातचीत की थी। चीनी आधिकारिक मीडिया के लिए नई दिल्ली में हुई अपनी बातचीत के बारे में बताते हुए वांग ने कहा उन्होंने सबसे अधिक उत्सुकता से महसूस किया है कि दोनों पक्ष दोनों देशों की महत्वपूर्ण इस आम राय को मानने के लिए सहमत हैं, कि वे एक-दूसरे के लिए खतरा नहीं हैं। दोनों देशों के लिए चिंता की व्यावहारिक समस्याओं का समाधान करना, मतभेदों को दूर करना और द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ावा देना आवश्यक है। वांग ने कहा कि भारत-चीन प्रतिद्वंद्वी के बजाय भागीदार हैं, और उन्हें एक-दूसरे को सफल होने में मदद करनी चाहिए। उन्होंने बीजिंग के इस रुख को फिर से दोहराया कि परिपक्व और तर्कसंगत पड़ोसियों के रूप में, चीन और भारत को द्विपक्षीय संबंधों में सीमा मुद्दे को न्यायोचित स्थान पर रखना चाहिए, और इसे द्विपक्षीय संबंधों के समग्र विकास को बाधित नहीं करने देना चाहिए।

विदेश मंत्री जयशंकर ने वार्ता के दौरान पूर्वी लद्दाख में टकराव वाले बिंदुओं पर सैनिकों को पीछे हटाने की प्रक्रिया को जल्दी से पूरा वांग के साथ लगभग तीन घंटे तक चली बातचीत के बाद जयशंकर ने कहा था कि सामान्य संबंधों की बहाली के लिए सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति एवं अमन बहाल होना जरूरी है।

संक्षिप्त समाचार

खैबर पख्तूनख्वा में बड़ा आंतकी हमला, छह सुरक्षाकर्मी मारे गए और 22 अन्य घायल

पेशावर । पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में किले के अंदर स्थित सुरक्षा मुख्यालय पर आतंकवादी हमले में कम से कम छह सुरक्षाकर्मी मारे गए और 22 अन्य घायल हो गए। जिला पुलिस अधिकारी वकार अहमद खान ने बताया कि आतंकवादियों ने दक्षिण वजीरिस्तान की सीमा से लगे खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के टैंक जिले में एफसी लाइन पर हमला किया गया। मुठभेड़ में तीन हमलावर भी मारे गए। अधिकारी ने बताया कि घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उन्होंने बताया कि टैंक जिले की ओर जाने वाले सभी रास्तों को बंद कर दिया गया है और हमलावरों की गिरफ्तारी के लिए इलाके में तलाश अभियान चलाया जा रहा है। आशीष दुबे / 30 मार्च 2022 खैबर पख्तूनख्वा में बड़ा आंतकी हमला, छह सुरक्षाकर्मी मारे गए और 22 अन्य घायल पेशावर (ईएमएस)। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में किले के अंदर स्थित सुरक्षा मुख्यालय पर आतंकवादी हमले में कम से कम छह सुरक्षाकर्मी मारे गए और 22 अन्य घायल हो गए। जिला पुलिस अधिकारी वकार अहमद खान ने बताया कि आतंकवादियों ने दक्षिण वजीरिस्तान की सीमा से लगे खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के टैंक जिले में एफसी लाइन पर हमला किया गया। मुठभेड़ में तीन हमलावर भी मारे गए। अधिकारी ने बताया कि घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उन्होंने बताया कि टैंक जिले की ओर जाने वाले सभी रास्तों को बंद कर दिया गया है और हमलावरों की गिरफ्तारी के लिए इलाके में तलाश अभियान चलाया जा रहा है।

मध्य इजराइल के शहर ब्नेई ब्राक में बाइक सवार बंदूकधारी ने चलाई अंधाधुंध गोलियां, 4 लोगों की मौत

येरुशलम । मध्य इजराइल के शहर ब्नेई ब्राक में बाइक पर सवार एक बंदूकधारी ने भीड़-भाड़ वाली जगह पर गोलीबारी की जिसमें चार लोगों की मौत हो गई। हमलावर को भी सुरक्षा बलों ने मार गिराया। गोलीबारी की यह घटना क्यों हुई यह स्पष्ट नहीं है। मीडिया में आई खबरों में कहा गया है कि हमलावर वेस्ट बैंक का रहने वाला फलस्तीनी था। एक सप्ताह के भीतर हुए तीसरे हमले के बाद इजराइल के प्रधानमंत्री नफ्ताली बेनेट ने कहा कि देश अरब आतंकवाद की लहर का सामना कर रहा है। पुलिस ने कहा कि प्रारंभिक जांच में पाया गया है कि बंदूकधारी एक असॉल्ट राइफल लिए हुए और उसने राहगीरों पर गोलीबारी की। मौके पर मौजूद सुरक्षाकर्मियों ने हमलावर को मार गिराया।

रूस ने तीन नाटो देशों के 10 राजनियकों को दिखाया बाहर का रास्ता

मॉस्को । रूस ने बाल्टिक देशों पर बदले की कार्रवाई कर उनके 10 राजनयिकों को देश से बाहर निकलने का आदेश दिया है। इसमें तीन राजनयिक एस्टोनिया और लाटविया के हैं, इसके अलावा 4 राजनयिक लिथुआनिया के हैं। रूसी विदेश मंत्रालय की ओर से इस एक्शन के बारे में जानकारी दी गई है। इसी महीने तीन बाल्टिक देशों लातविया, एस्टोनिया और लिथुआनिया ने 10 रूसी राजनियकों को बाहर निकाल दिया था। लिथुआनिया ने रूस के 4 राजनियकों को बाहर का रास्ता दिखाया था, जबकि लातविया और एस्टोनिया ने भी तीन डिप्लोमैट्स को निकाल दिया था। लातविया ने कहा था कि तीनों देशों ने समन्वय के साथ यह फैसला लिया है। लातविया के विदेश मंत्री एडगार्स रिंकेविक्स ने कहा कि यूक्रेन पर रूस के हमले के बाद यह एक्शन लिया गया है। वहीं एस्टोनिया का कहना था कि उन्होंने रूसी राजनयिकों को इसकारण बाहर निकाला है, क्योंकि उससे हमारी सुरक्षा को खतरा है। एस्टोनिया का कहना था कि रूस लगातार यूक्रेन पर हमला कर रहा है और उसके राजनयिक गलत प्रोपेगेंडा फैला रहे थे। इसके बाद उन्हें देश से बाहर किया जाना जरूरी था। बता दें कि यूक्रेन पर हमले के बाद से रूस पर पश्चिमी देशों की ओर से लगातार प्रतिबंध लगाए जा रहे हैं। एस्टोनिया, लिथुआनिया और लातविया नाटो से जुड़े देश हैं और रूस के आलोचकों में से एक हैं।

पुतिन-जेलेंस्की में हो सकती है मुलाकात, वार्ता के बाद नरम पड़े रूस के तेवर

इस्तांबुल । तुर्की के इस्तांबुल में रूस और यूक्रेन के बीच मंगलवार को शांति वार्ता करीब 3 घंटे चली। बैठक के बाद रूस के मुख्य वार्ताकार मेडिंस्की ने सकारात्मक बयान दिया। मेडिंस्की ने बताया कि रूस ने यूक्रेन के बीच कीव और चेर्निगोव में हमले कम करने का फैसला लिया है। वहीं, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोडिमिर ज़ेलेंस्की की मुलाकात हो सकती है। इससे पहले दोनों देशों के विदेश मंत्रियों के बीच बातचीत होगी। उधर, मंगलवार को डेनमार्क की संसद को जेलेंस्की ने संबोधित कर कहा कि मारियोपोल में रूस का हमला युद्ध अपराध है। मानवता के खिलाफ रूस ने अपराध किया है। यूक्रेन ने सुरक्षा की गारंटी मांगकर अंतर्राष्ट्रीय समझौते की अपील की है।

रूस के कीव से पीछे हटने के दावे पर पश्चिमी देशों ने जताया संदेह

लंदन । पश्चिमी देशों के अधिकारियों ने कहा है कि रूस पूर्वी यूक्रेन में सैनिकों का जमावड़ा कर रहा है, लेकिन यह अभी नहीं कहा जा सकता कि क्या कीव के आसपास सैन्य अभियान कम करने का मॉस्को का दावा सही है। खुफिया जानकारी रखने वाले अधिकारियों ने बताया कि मॉस्को, यूक्रेन के सबसे प्रशिक्षित और उपकरणों से लैस सुरक्षा बलों को घेरने की कवायद के तौर पर डोनबास में सैन्य तैनाती मजबूत कर रहा है। पश्चिमी देश के एक अधिकारी ने नाम न उजागर करने की शर्त पर बताया कि यह स्पष्ट है कि रूस के हथकंडे और रणनीतियां बदल रही हैं लेकिन अभी यह साफ नहीं है तस्वीर क्या हो सकती है। वहीं, व्हाइट हाउस ने रूस के उन दावों को झूठा और भ्रामक बताया कि अमेरिकी सरकार मॉस्को के खिलाफ साइबर अभियान शुरू कर रही है। अमेरिका के यूरोपीय कमान के नेता ने मंगलवार को कांग्रेस को बताया कि देश को यूक्रेन पर रूस के आक्रमण को देखते हुए यूरोप में अधिक स्थाई और बारी-बारी से सैनिकों की तैनाती करने की आवश्यकता पड़ सकती है। इस बीच, यूक्रेन के साथ वार्ता कर रहे रूस के प्रतिनिधिमंडल के प्रमुख ने कहा कि मॉस्को ताजा बैठक को समझौते की ओर एक कदम के तौर पर देखता है।

रूस ने कहा शांति वार्ता के बीच कीव पर कम करेंगे हमले, एक सैन्य टुकड़ी हटाई, अमेरिका ने कहा दावा अविश्वसनीय

वॉशिंगटन ।

रूस कीव से अपनी सेना के छोटे हिस्से को हटा रहा है। इसपर पेंटागन ने कहा है कि रूस यह दिखाना चाहता है कि वह कीव को छोड़ रहा है और युद्ध को खत्म करने की ओर बढ़ रहा है। हालांकि यह सच नहीं है, वह दूसरे देशों को भ्रम में डालने की रणनीति पर आगे बढ़ रहा है। रूस अपनी पूरी सेना कीव से नहीं हटा रहा है, बल्कि एक छोटी टुकड़ी ही हटाई है। पेंटागन ने कहा वास्तव में रूस अपनी सेनाओं को वापस नहीं बुला रहा है। अभी कीव की चुनौती खत्म नहीं हुई है। रूस ने दावा किया था कि यूक्रेन के साथ बातचीत को देखते हुए वह हमलों को कम करेगा और अपनी सेनाओं को धीरे-धीरे कीव से हटाएगा। पेंटागन ने कहा रूस के कीव पर कब्जा करने के मनसूबे सफल नहीं हो पाए। इसीलिए वह अब दूसरी रणनीति पर काम कर रहा है। ऐसे में सावधान रहने की जरूरत है क्योंकि रूस कभी भी हमले तेज कर सकता है। बता दें कि इस्तांबुल में हुई शांति वार्ता में यूक्रेन के प्रतिनिधिमंडल ने कहा

कि कुछ देशों के समूह सुरक्षा की गारंटी देंगे, हालांकि इसमें नाटो के सदस्य देश शामिल नहीं होंगे। रूस ने वादा किया है कि वह हमलों को कम करेगा और कीव, चर्निहाइव से धीरे-धीरे सेनाओं को वापस बुलाएगा। रूस के मुख्य वार्ताकार ने कहा कि दोनों देशों में सकारात्मक बातचीत हुई है। रूस चाहता है कि जब विदेश मंत्री स्तर की बातचीत हो तभी दोनों राष्ट्रपति भी चर्चा करें।

रूस ने माइकोलेव में नौ मंजिला इमारत को बनाया निशाना, विस्फोट में 12 लोगों की मौत

कीव और चेर्नीहीव से रूसी सैन्य बलों की वापसी शुरू

कीव ।

रूस ने युद्ध समाप्त करने के मकसद से जारी वार्ता में संभावित रूप से समझौता किए जाने का संकेत देते हुए कीव और चेर्नीहीव के पास सैन्य अभियान में 'कटौती' करने का फैसला किया। यूक्रेन के प्रतिनिधिमंडल ने मंगलवार को कहा कि उसने एक रूपरेखा पेश की है, जिसके तहत देश अपने आप को निष्पक्ष घोषित करेगा और अन्य देश उसकी सुरक्षा गारंटी देंगे। वार्ता के बीच रूस के उप रक्षा मंत्री अलेक्जेंडर फोमिन ने कहा कि रूसी सुरक्षा बल कीव और चेर्नीहीव की दिशा में सैन्य गतिविधियों में कटौती करेंगे। तुर्की में मंगलवार को रूस और यूक्रेन के वार्ताकारों के बीच हुई आमने-सामने की बातचीत के दौरान फोमिन का ये बयान सामने आया है। पिछले दौर की वार्ताएं विफल रहने के बाद रूस के इस बयान से ताजा बातचीत में सकारात्मक असर देखने को मिल सकता है। रूस द्वारा 24 फरवरी को यूक्रेन पर शुरू किए गए हमले के बाद पहली बार है, जब रूस ने कुछ नरमी के संकेत दिए हैं। पिछले सप्ताह के अंत में और मंगलवार को ऐसे संकेत मिले कि रूस अपने युद्ध के लक्ष्यों में कटौती करना चाहता है क्योंकि रूस ने कहा है कि अब उसका प्रमुख लक्ष्य पूर्वी यूक्रेन के डोनबास प्रांत को अपने नियंत्रण में लेना है। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने पूछा कि क्या रूस की घोषणा वार्ता में प्रगति का संकेत है या अपना हमला जारी रखने के लिए वक्त लेने की मॉस्को की तरकीब है। उन्होंने कहा हम देखेंगे। जब तक मैं यह नहीं देख लेता कि उनके कदम क्या हैं, तब तक मैं इसके मायने नहीं निकाल सकता।'' अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने कहा कि उन्हें कुछ भी ऐसा दिखाई नहीं देता, जिससे महसूस हो कि वार्ता रचनात्मक तरीके से आगे बढ़ रही है। उन्होंने रूसी सैन्य बलों को पीछे हटाने के संकेत को मॉस्को द्वारा लोगों का ध्यान ब्लिंकन ने मोरक्को में कहा एक तरफ वो है जो रूस कहता है और दूसरी तरफ, वह है जो रूस करता है और हम दूसरे हिस्से पर ध्यान केंद्रित करते हैं। रूस जो कर रहा है, वह यूक्रेन को लगातार तबाह करने वाला है। इस बीच, रूस और यूक्रेन के बीच मंगलवार को तुर्की में आमने-सामने की वार्ता शुरू होने के साथ उम्मीद लगायी जा रही है कि युद्ध समाप्त किए जाने पर कोई सहमति बन सकती है। पश्चिमी देशों के अधिकारियों ने कहा है कि रूस पूर्वी लेकिन यह अभी नहीं कहा जा सकता कि क्या कीव के आसपास सैन्य अभियान कम करने का मॉस्को का दावा सही है। यूक्रेन के राष्ट्रपति के एक सलाहकार ने कहा कि इस्तांबुल में हो रही बैठक के साथ ही यूक्रेन की सुरक्षा गारंटी जैसे मुद्दों पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।

एमक्यूएम ने विपक्ष को दिया समर्थन, छोड़ा इमरान का साथ, धूमिल हुई सत्ता में लौटने की उम्मीद

इस्लामाबाद । पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान को पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) सरकार के प्रमुख गठबंधन सहयोगी मुत्ताहिदा कौमी मूवमेंट पाकिस्तान (एमक्यूएम-पी) के रूप में एक और बड़ा झटका लगा है। पार्टी ने विपक्षी पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के साथ एक डील की है। स्थानीय मीडिया के अनुसार, पीपीपी अध्यक्ष बिलावल भुट्टो जरदारी ने बुधवार तड़के ट्वीट किया कि एकजुट विपक्ष और एमक्यूएम के बीच समझौता हो गया है। बिलावल भुट्टो जरदारी ने ट्विटर पर लिखा राब्ता समिति एमक्यूएम और पीपीपी सीईसी उक्त समझौते की पुष्टि करेंगे। हम कल आईए को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में मीडिया के साथ विवरण साझा करेंगे। बधाई हो पाकिस्तान। अविश्वास प्रस्ताव पर महत्वपूर्ण वोट से पहले देर रात के घटनाक्रम ने इमरान खान के भविष्य को संकट में डाल दिया है, क्योंकि पीटीआई सरकार संसद के निचले सदन में बहुमत खो चुकी है। आपको बता दें कि पाकिस्तानी नेशनल असेंबली में कुल 342 सदस्य हैं। विपक्ष को इमरान खान सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव के के लिए 172 मतों की आवश्यकता है। पीटीआई के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार 179 सदस्यों के समर्थन से बनी थी, लेकिन एमक्यूएम-पी के इस्तीफे के बाद इमरान खान की पार्टी के पास सिर्फ 164 सदस्यों का समर्थन रह गया है। नेशनल असेंबली में विपक्ष के अब 177 समर्थक हैं। उन्हें पीटीआई के असंतुष्ट सांसदों के समर्थन की जरूरत नहीं है। इस बीच इमरान सरकार में मंत्री असद उमर ने कहा है कि इमरान खान अपने आरोपों उमर अता बंदियाल को एक पत्र दिखाने के लिए तैयार हैं।

एमक्यूएम ने वापस लिया समर्थन, विपक्ष से मिलाया हाथ

पाक के पीएम इमरान खान की विदाई तय!

इस्लामाबाद।

पाकिस्तान में इमरान खान की सरकार पर संकट के बादल और गहरा गए हैं। सत्ताधारी पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) को बड़ा झटका लगा है। अविश्वास प्रस्ताव पर वोटिंग से पहले ही पीटीआई की सहयोगी मुत्ताहिदा कौमी मूवमेंट पाकिस्तान (एमक्यूएम पी) ने सरकार से अपना समर्थन वापस ले लिया है। एमक्यूएम ने विपक्षी पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के साथ जाने का फैसला किया है। एमक्यूएम के पीटीआई से समर्थन वापस लेने के बाद पीएम इमरान खानन की सरकार का जाना तय माना जा रहा है। एमक्यूएम के पीटीआई से समर्थन वापस लेने के बाद पीपीपी अध्यक्ष बिलावल भुट्टो ने एक ट्वीट किया है। भुट्टो ने ट्वीट कर कहा, संयुक्त विपक्ष और एमक्यूएम के बीच समझौता हो गया है। राबता समिति एमक्यूएम और पीपीपी सीईसी समझौते की पुष्टि करेगी। इसके बाद हम कल एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में मीडिया को इसके बारे में जानकारी देंगे। बधाई हो पाकिस्तान। एमक्यूएम के समर्थन वापस लेने के बाद पीटीआई सरकार ने निचले सदन में बहुमत खो दिया है। सदन में अब पीटीआई समर्थक सांसदों की संख्या घटकर 164 हो गई है। जबकि संयुक्त विपक्ष के 177 सदस्य हो गए हैं। पाकिस्तान की नेशनल असेंबली में कुल सदस्यों की संख्या 342 है। बहुमत के लिए 172 सांसदों का समर्थन चाहिए। विपक्ष के अविश्वास प्रस्ताव 31 मार्च से बहस शुरू होगी और तीन अप्रैल को वोटिंग होगी। इस बीच, इमरान खान ने आरोप लगाया है कि कुछ लोग विदेशी फंड की मदद से उनकी सरकार को गिराने की कोशिश कर रहे हैं। इमरान खान ने एक रैली में कहा, कोशिश विदेशी पैसों के जरिए की जा रही है। हमारे लोगों का इस्तेमाल किया जा रहा है। पाकिस्तान में सरकार बदलने की कोशिश विदेशी पैसों के जरिए की जा रही है। हमारे लोगों का इस्तेमाल किया जा रहा है। कुछ लोग हमारे खिलाफ विदेशी पैसों का इस्तेमाल कर रहे हैं। हमें पता है कि किन जगहों से हम पर दबाव बनाने की कोशिश की जा रही है। हमें लिखित में धमकी दी गई है, लेकिन हम राष्ट्रहित से समझौता नहीं करेंगे।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भाजपा से नाराज चल रहे वरुण गांधी ने की संजय राउत से मुलाकात

नई दिल्ली । शिवसेना के नेता और राज्यसभा सांसद संजय राउत ने भाजपा से नाराज चल रहे सांसद वरुण गांधी से मुलाकात की है। दोनों नेताओं के बीच मुलाकात हुई, जो करीब तीन घंटे तक चली। रिपोट्र्स के मुताबिक वरुण गांधी को राउत ने अपने दिल्ली स्थित घर पर डिनर के लिए आमंत्रित किया था। इसी दौरान दोनों की मुलाकात हुई और तीन घंटे तक बातचीत हुई। दोनों नेताओं के बीच क्या बातचीत हुई, यह सामने नहीं आया है। लेकिन कयासों का दौर तेज हो गया है। इसका कारण हैं कि वरुण गांधी लंबे समय से भाजपा से नाराज चल रहे हैं, पार्टी भी उन्हें साइडलाइन करती दिखी है।

यूपी सहित 5 राज्यों के चुनाव में भी वरुण गांधी को कोई अहम जिम्मेदारी नहीं दी गई थी। इसके बाद राउत से उनकी मुलाकात कई मायने निकाले जा रहेहैं। वरुण गांधी से मुलाकात के बाद राउत ने विपक्षी एकता की बात कही है। उन्होंने कहा कि विपक्ष को खड़ा करने के लिए एनसीपी प्रमुख शरद पवार को यूपीए का अध्यक्ष बनाया जाना चाहिए। इस बीच शरद पवार की पार्टी एनसीपी की यूथ विंग नेशनलिस्ट यूथ कांग्रेस ने प्रस्ताव पारित कर उन्हें यूपीए का चेयरमैन बनाए जाने की मांग की है। एनसीपी यूथ विंग के राष्ट्रीय अध्यक्ष धीरज शर्मा ने कहा, हमने प्रस्ताव पेश किया था, जिसमें सिफारिश की गई थी कि शरद पवार को क्षेत्रीय दलों का नेतृत्व करना चाहिए और कांग्रेस को उनके लिए जगह छोड़नी चाहिए। एक ओर पवार को यूपीए का चेयरमैन बनाने की मांग और दूसरी तरफ वरुण गांधी से मुलाकात को लेकर कयास लग रहे हैं। एक ओर पवार को यूपीए का चेयरमैन बनाने की मांग और दूसरी तरफ वरुण गांधी से मुलाकात को लेकर कयास लग रहे हैं। बताया जा रहा हैं, कि 2024 के आम चुनाव के दौरान वरुण गांधी भाजपा छोड़ सकते हैं। गौरतलब है कि वरुण लगातार भाजपा लीडरशिप पर हमला करते रहे हैं। किसान आंदोलन के दौरान वरुण गांधी ने कई बार ट्वीट कर यूपी और केंद्र सरकार पर निशाना साधा था।इतना ही नहीं बेरोजगारी के मुद्दे पर भी उन्होंने भाजपा सरकार को घेरा था।

बसपा नेता के अवैध अपार्टमेंट को योगी के बुलडोजर ने तोड़ा, लोगों ने कहा अवैध था तब बना कैंसे

लखनऊ । योगी के बुलडोजर सर्विसिंग से लौटकर काम पर लग चुके हैं। योगी सरकार ने अवैध निर्माण और अतिक्रमण पर कार्रवाई तेज कर दी है। बुधवार को लखनऊ में बसपा नेता के अवैध अपार्टमेंट पर बुलडोजर चल रहा है। दरअसल, यह कार्रवाई बार-बार नोटिस देने के बाद जवाब न देने पर की गई। वहीं करोड़ों की कमाई डूब जाने पर लोग गुस्से में हैं। लोग सवाल पूछ रहे हैं कि जब बन रही थी, तब अफसर कहां थे? हजरतगंज के बालू अड्डा क्षेत्र में एलडीए की टीम पहुंची। यहां टीम यजदान बिल्डर बसपा नेता फरद अहमद के अवैध अपार्टमेंट को तोड़ने का काम शुरू कर दिया है। इसका निर्माण अवैध तरीके से किया गया है। एलडीए के आधिकारियों का कहना है, कि 2016 में अवैध 6 मंजिल इमारत का निर्माण किया गया था। यहां अपार्टमेंट नजुल की जमीन पर बना है। एलडीए ने बार-बार नोटिस भेजा फिर भी कोई जवाब नहीं दिया गया। प्राधिकरण ने करीब 3 महीने पहले इसके ध्वस्तीकरण का आदेश पारित किया था। बुधवार की सुबह प्राधिकरण का दस्ता दल बल के साथ अवैध अपार्टमेंट को तोड़ने पहुंचा। पुलिस बल मिलने के बाद लगभग 11:30 बजे कार्यवाही शुरू की गई। डॉक्टर मतीन ने अपार्टमेंट में तीन फ्लैट की रजिस्ट्री करा रखी है। मतीन एलडीए की इस कार्रवाई से अचरज में हैं। उनका कहना है कि रातों रात बिल्डिंग खड़ी नहीं हुई।

उनका अधिकारियों से सवाल है कि जब बिल्डिंग बन रही थी, तब सब कहां थे। 6 मंजिला इमारत दूर से दिखाई पड़ती है अगर यह अवैध हैं, तब फिर बन कैसे गई। अधिकारी इसका जवाब दें। उनका कहना था कि मेरी पूरी कमाई डूब गई और भ्रष्ट अफसर और भूमाफिया मलाई काट रहे हैं। यह जनता के साथ अन्याय है। योगी को इस ओर ध्यान देना चाहिए। जिम्मेदार अफसरों और बिल्डर को जेल भेज देना चाहिए। एलडीए की टीम पहुंची और बुलडोजर चलना शुरू हुआ,तब लोगों की भीड़ जुट गई। इस इमारत में जिन लोगों का फ्लैट है, वे परेशान थे। उन्हें कुछ समझ में नहीं आ रहा था।लोग अफसरों से सवाल पूछ रहे थे कि आखिर अपार्टमेंट क्यों गिराया जा रहा है इस पर अफसरों का कहना था कि इमारत अवैध है। आगे लोगों का सवाल था कि साहब अगर यह बिल्डिंग लोग अफसरों के आगे गिड़गिड़ा रहे थे, कि साहब मेरी करोड़ों की कमाई डूब गई पर अफसर के पास कोई जवाब नहीं था।

31 साल बाद बिट्टा कराटे पर चलेगा कश्मीरी पंडितों की नृशंस हत्या का केस

श्रीनगर । कश्मीरी पंडितों की नृशंस हत्या करने वाले बिट्टा कराटे पर 31 साल बाद केस चलने जा रहा है। बिट्टा का असली नाम फारूक अहमद डार है। बिट्टा ने खुद स्वीकार किया था कि उसने 1990 में 30 से 40 कश्मीरी पंडितों की हत्या की। अब उसपर हत्या का मुकदमा चलने जा रहा है। बिजनेसमैन सतीश टिकू की हत्या के मामले में परिवार ने फिर से सुनवाई करने की अर्जी श्रीनगर कोर्ट में दी है। कोर्ट ने सुनवाई के दौरान सतीश टिकू के परिवार से याचिका की हार्ड कॉपी पेश करने को कहा है। अब मामले में 16 अप्रैल को फिर सुनवाई होगी। टिकू के परिवार की तरफ से वकील उत्सव बैंस अपना पक्ष कोर्ट में रख रहे हैं। बता दें कि बिट्टा कराटे ने टेलिविजन पर हत्याओं की बात स्वीकार की है। फारूक अहमद डार का नाम बिट्टा कराटे इसकारण पड़ा क्योंकि वह मार्शल आर्ट में ट्रेंड था। द कश्मीर फाइल्स फिल्म आने के बाद फिर से कश्मीरी पंडितों के साथ हुए अत्याचार का मुद्दा उभरकर सामने आ गया है। देशभर में कश्मीरी पंडितों को न्याय दिलाने की मांग भी तेज हो रही है। लोग इसकी मांग कर रहे हैं कि कश्मीरी पंडितों पर अत्याचार करने वाले आतंकियों पर सख्त कार्रवाई की जाए। बिटटा इनदिनों जमानत पर रिहा है। बिटटा ने कश्मीरी निर्दोष लोगों की हत्या के आरोप में जेल में डाला गया था। 1991 में उसने इंटरव्यू में स्वीकार किया था कि उसने 20 कश्मीरी पंडितों की हत्या की है। इसके बाद उस सार्वजनिक सुरक्षा अधिनियम के तहत गिरफ्तार किया गया।

मान सरकार का बड़ा फैसला, प्रदेश के सभी इंप्रूवमेंट ट्रस्ट भंग कर दिए

चंडीगढ़ । पंजाब की नई आप सरकार ने महत्वपूर्ण निर्णय लेकर प्रदेश के सभी इंप्रूवमेंट ट्रस्ट भंग कर दिए है। आप सरकार द्वारा जारी आदेशों के अनुसार इंप्रूवमेंट ट्रस्ट के चेयरमैन जिले के डीसी होगा। पंजाब में सत्ता परिवर्तन के बाद राजनीतिक गुट में बदलाव के साथ बोर्डों, इम्प्रूवमेंट ट्रस्टों में बदलाव होने जा रहे हैं, जिससे आप सरकार ने यह फैसला लिया है। इससे पहले बुधवार को सुबह पंजाब सरकार ने आदेश में जारी करते हुए इंप्रूवमेंट ट्रस्ट के ट्रस्टियों का अधिकार छीनकर उन्हें पद से हटा दिया था। पंजाब में अभी तक बोर्डों और इंप्रूवमेंट ट्रस्ट में कांग्रेसी नेताओं को कब्जा था। इसके बाद मुख्यमंत्री भगवंत मान ने ऐसा फैसला लिया। इसके बाद मुख्यमंत्री भगवंत मान ने ऐसा फैसला लिया। इसके बाद मुख्यमंत्री भगवंत मान ने ऐसा फैसला लिया। पंजाब सरकार ने सभी टाउन इम्प्रूवमेंट ट्रस्टों को भंग कर दिया है। नए आदेश के अनुसार अब नगर सुधार न्यास का प्रभार डीसी को सौंप दिया गया है। जालंधर और लुधियाना के डीसी को आदेश जारी कर दिए हैं। नगर सुधार न्यास जालंधर के अध्यक्ष ने इस्तीफा दे दिया था। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री मान ने पंजाब में विभिन्न बोर्डों और निगमों के अध्यक्षों और निदेशकों की सूची मांगी थी।

ओएनजीसी में हिस्सेदारी बेचेगी सरकार

नई दिल्ली । एलआईसी के आईपीओ में देरी के बीच भारत सरकार ने विनिवेश कार्यक्रम के तहत अब ओएनजीसी में हिस्सेदारी बेचने का फैसला किया है। योजना कंपनी में 1.5 प्रतिशत तक हिस्सेदारी बेच कर करीब 3000 करोड़ रुपए कमाने की है.ओएनजीसी ने स्टॉक एक्सचेंज को दी जानकारी में बताया है कि इसके लिए ऑफर फॉर सेल यानी बिक्री पेशकश 30 मार्च को खोली जाएगी और 31 मार्च को बंद कर दी जाएगी। इस दौरान कंपनी के करीब 9.43 करोड़ शेयर बिक्री के लिए पेश किए जाएंगे। ये कंपनी की कुल पेड-अप इक्विटी शेयर पूंजी के 0.75 प्रतिशत के बराबर है। अगर अधिक बोली आई तो करीब 9.43 करोड़ अतिरिक्त इक्विटी शेयर भी बेचे जा सकते हैं। बोली शुरू करने के लिए हर शेयर का मूल्य 159 रुपए रखा गया है। ओएनजीसी ने बताया कि यह मूल्य बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज में कंपनी के शेयर के मौजूदा भाव से सात प्रतिशत कम है। मंगलवार को भाव 171.05 रुपए था। इसके तहत सरकार ने मार्च में ही जीवन बीमा निगम (एलआईसी) का आईपीओ लाने की भी तैयारी कर ली थी लेकिन बाजार में दिख रही मंदी की वजह से उसे टाल दिया गया। लेकिन इसके टल जाने से सरकार इस वित्त वर्ष का विनिवेश का लक्ष्य हासिल नहीं कर पाएगी,

जिसका असर वित्तीय घाटे पर पड़ेगा। सरकार को उम्मीद है कि ओएनजीसी की बिक्री पेशकश से इसकी कुछ हद तक भरपाई हो पाएगी। सरकारी कंपनियों को बेचने से किसे फायदा होता है: जर्मनी का अनुभव) दूसरी तरफ सरकार के निजीकरण और विनिवेश कार्यक्रमों का विरोध भी हो रहा है। श्रम संगठनों का कहना है कि आर्थिक तनाव के इस दौर में सरकार अपने उपक्रमों को निजी क्षेत्र में बेच कर कर्मचारियों का आर्थिक जोखिम और बढ़ा रही है। कई और मुद्दों के साथ यह मुद्दा भी हाल ही में आयोजित किए गए दो दिवसीय भारत बंद के कारणों में शामिल था

पूर्व सीएम हरीश रावत के घर आए दिन बीजेपी के कद्दावर नेताओं की दस्तक से हैरानी

देहरादून । पहले मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी। फिर विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूड़ी। मंगलवार को भाजपा की दो महिला विधायक, पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता हरीश रावत से मिलीं। भाजपाइयों में हरीश रावत से मिलने की इस होड़ से सियासी हलकों में यह सवाल उठ रहा है कि राजनीतिक और वैचारिक रूप से ये कट्टर विरोधी आए दिन पूर्व सीएम के घर आखिर किसलिए दस्तक दे रहे हैं जबकि उनकी अपनी पार्टी के नेता न केवल उनसे दूरी बनाए हुए हैं, बल्कि उन पर टिकट बेचने जैसे संगीन आरोप भी लगा रहे हैं। सियासी जानकार इस बात से हैरान हैं कि अचानक भाजपा नेताओं में हरीश रावत के प्रति इतना प्रेम कैसे उमड़ रहा है। वो सहज भाव से आशीर्वाद लेने आ रहे हैं या इसके पीछे कोई सियासी राज है। मंगलवार को केदारनाथ से भाजपा विधायक शैला रानी रावत और नैनीताल की विधायक सरिता आर्य ने रावत से उनके ओल्ड मसूरी रोड स्थित आवास पर मुलाकात की। वर्ष 2016 में कांग्रेस में हुए विभाजन में शैला रावत भी कांग्रेस छोड़कर भाजपा में चली गई थीं। जबकि सरिता ने अपना टिकट कटता देख, विधानसभा चुनाव के दौरान कांग्रेस से नाता तोड़कर भाजपा से रिश्ता जोड़ लिया था। सरिता उस वक्त महिला कांग्रेस की प्रदेश अध्यक्ष थीं। हालांकि रावत और सभी भाजपा नेता इन मुलाकातों को शिष्टाचार भेंट बता रहे हैं। लेकिन अब तक राज्य में ऐसी कोई परंपरा भी नहीं रही कि प्रतिद्वंद्वी के घर तांता ही लगा रहे। हरीश रावत ने अपने फेसबुक पेज पर भी इन मुलाकातों को शिष्टाचार भेंट बताया है।

मोदी सरकार ने दी केंद्रीय कर्मचारियों और पेंशनर्स को महंगाई से बड़ी राहत

नई दिल्ली । महंगाई से परेशान केंद्रीय कर्मचारियों को मोदी सरकार ने बड़ी राहत दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में 1 जनवरी, 2022 से केंद्र सरकार के कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के लिए महंगाई भत्ते (डीए) और महंगाई राहत (डीआर) में 3 प्रतिशत की बढ़ोतरी को मंजूरी दे दी गई है। इससे पहले अक्टूबर 2021 में केंद्र सरकार के कर्मचारियों के डीए को 28 प्रतिशत से बढ़ाकर 31 प्रतिशत करने का फैसला किया था। इस बढ़ोतरी के बाद डीए बढ़कर 31 फीसदी हो जाएगा। अभी केंद्रीय कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को 31 प्रतिशत के हिसाब से महंगाई भत्ता दिया जा रहा है। लेकिन सरकार इसे 3 प्रतिशत बढ़ाकर 34 प्रतिशत कर दिया गया है। केंद्रीय कर्मचारियों को अप्रैल के वेतन के साथ में नए महंगाई भत्ते का पूरा पेमेंट किया जाएगा। अप्रैल के महीने में कर्मचारियों को उनका पिछले 3 महीने का सारा एरियर भी दिया जाएगा।

3 फीसदी महंगाई भत्ते में बढ़ोतरी के बाद केंद्रीय कर्मचारियों को 73,440 से लेकर 2,32,152 20 रुपये तक के एरियर का लाभ मिलेगा। एक अनुमान के मुताबिक महंगाई भत्ते में बढ़ोतरी से केंद्र सरकार के खजाने पर प्रति वर्ष 10,000 करोड़ रुपये का बोझ आएगा। इस कदम से 47 लाख कर्मचारियों और 68 लाख पेंशनभोगियों को लाभ होगा।

यूपी विधानसभा में पहले ही दिन दिखा ट्रेलर योगी और अखिलेश से रोचक हुआ सदन का शो

नई दिल्ली । अध्यक्ष के चुनाव में जिस तरह पक्ष और विपक्ष ने एकमत होकर सतीश महाना का चुनाव किया और एक सुर में उन्हें महान बताया गया, लेकिन पहले ही दिन जब सदन में अगले 5 साल का ट्रेलर भी दिख गया। जिस तरह सीएम योगी आदित्यनाथ और नेता विपक्ष अखिलेश यादव के बीच वार-पलटवार हुआ, उससे यह तय हो गया है कि यूपी विधानसभा में इस बार ना सिर्फ योगी सरकार के लिए चुनौती बढ़ गई है, बल्कि राजनीति में दिलचस्पी रखने वालों यहां अक्सर योगी बनाम अखिलेश के मुकाबले देखने को मिलेंगे। नए कार्यकाल में पहली बार जब नेता सदन और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ विधानसभा में बोलने के लिए उठे तो उन्होंने चुनाव की कड़वाहट को भी याद किया और कहा कि दोनों तरफ से मिसाइलें चल रही थीं तो सभी इससे बचने के लिए अपने तरीके से प्रयास कर रहे थे। सीएम योगी ने स्पीकर चुनाव में पक्ष-विपक्ष के साथ आने को लोकतंत्र की मजबूती बताया लेकिन बातों ही बातों में समाजवादी पार्टी पर निशाना साधने में नहीं चूके। वहीं, जब नेता विपक्ष अखिलेश यादव की बारी आई तो उन्होंने भी पलटवार में कमी नहीं की। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने चुनाव होने के बाद कहा कि लोकतंत्र को मजबूत करने की जिम्मेदारी सत्तापक्ष और विपक्ष दोनों की है। उन्होंने सदन की कार्यवाही सही तरीके से चलाने की जिम्मेदारी विपक्षी दल सपा पर भी डाली। उन्होंने अप्रत्यक्ष तौर पर समाजवादी पार्टी के सदस्यों की ओर इशारा करते हुए चुनाव में नकारात्मकता के लिए भी आड़े हाथों लिया। अखिलेश ने भी कोरोना से लेकर कुछ आपराधिक घटनाओं को उठाकर सरकार को घेरने की कोशिश की। उन्होंने सतीश महाना के 35 देश घूमने का जिक्र करते हुए सीएम योगी पर यह कहकर तंज कसा कि कुछ लोग विदेश नहीं जाना चाहते। दरअसल वह भाजपा के उन हमलों पर चुटकी ले रहे थे, जिनमें कहा जा रहा था कि 10 मार्च के बाद अखिलेश विदेश चले जाएंगे।

इस दौरान सत्तापक्ष के कुछ सदस्यों ने हूटिंग भी की। 2017-2022 के बीच विधानसभा में जहां सत्ताधारी गठबंधन 325 विधायक थे तो महज 47 विधायकों के साथ समाजावादी पार्टी सरकार की मजबूत घेराबंदी नहीं कर पाई। इस बार जहां सत्ता पक्ष में विधायकों की संख्या घटी है तो विपक्ष का संख्याबल मजबूत हो गया है। इसके अलावा अखिलेश यादव ने संसद छोड़कर विधानसभा में एंट्री ले ली है।

द कश्मीर फाइल्स पर सीएम केजरीवाल के बयान के खिलाफ बीजेपी यूथ का प्रदर्शन

नई दिल्ली । दिल्ली विधानसभा में सीएम अरविंद केजरीवाल द्वारा फिल्म द कश्मीर फाइल्स पर दिए गए भाषण के खिलाफ बीजेपी विरोध प्रदर्शन कर रही है। इस दौरान दिल्ली पुलिस ने बीजेपी युवा मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष तेजस्वी सूर्या को हिरासत में ले लिया है। दिल्ली पुलिस के मुताबिक, बीजेपी युवा मोर्चा के करीब 40 से 50 कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया गया है। अगर मुख्यमंत्री निवास की तरफ से कोई भी लिखित शिकायत दी जाएगी तो पुलिस लीगल एक्शन लेगी। दिल्ली विधानसभा में सीएम अरविंद केजरीवाल द्वारा फिल्म द कश्मीर फाइल्स पर दिए गए भाषण के खिलाफ बीजेपी आज विरोध प्रदर्शन कर रही है। इस दौरान दिल्ली पुलिस ने बीजेपी युवा मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष तेजस्वी सूर्या को हिरासत में ले लिया है। दिल्ली पुलिस के मुताबिक, बीजेपी युवा मोर्चा के करीब 40 से 50 कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया गया है। अगर मुख्यमंत्री निवास की तरफ से कोई भी लिखित शिकायत दी जाएगी तो पुलिस लीगल एक्शन लेगी। फिल्म द कश्मीर फाइल्स को दिल्ली में बीजेपी नेताओं की टैक्स फ्री की मांग को लेकर सीएम केजरीवाल ने विधानसभा में कहा था कि इसे यूट्यूब पर डाल दो जिससे सब लोग फ्री ही देख लेंगे। इसके साथ ही सीएम ने कहा था कि कुछ लोग कश्मीरी पंडितों के नाम पर करोड़ों कमा रहे हैं और बीजेपी नेताओं को पोस्टर लगाने के लिए काम दिया गया है। कश्मीरी पंडितों के पलायन पर बनी फिल्म द कश्मीर फाइल्स ने अभी तक 200 करोड़ से अधिक की कमाई कर ली है। को लेकर दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने कहा कि इस फिल्म की कमाई को कश्मीरी पंडितो को दे देना चाहिए।

संक्षिप्त समाचार

आशीष मिश्रा की बेल पर 4 अप्रैल को सुनवाई करेगा सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली । लखीमपुर खीरी कांड के आरोपी आशीष मिश्रा की बेल पर तलवार लटकती दिख रही है। किसान आंदोलन के दौरान लोगों पर कार चढ़ाने के आरोपी आशीष मिश्रा की बेल कैंसिल करने को दायर याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने 4 अप्रैल को सुनवाई करेगा है। बीते साल 3 अक्टूबर को लखीमपुर खीरी में यह घटना हुई थी। अदालत ने कहा कि उसकी ओर से गठित की गई कमेटी ने भी आशीष मिश्रा की बेल को कैंसिल करने की सिफारिश की है। लखीमपुर खीरी की घटनाओं पर नजर रखने के लिए कमेटी का गठन किया गया था। साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने आशीष मिश्रा की बेल कैंसिल न किए जाने पर यूपी सरकार को खरी-खोटी भी सुनाई। चीफ जस्टिस एनवी रमन्ना ने यूपी सरकार के वकील से कहा, लखीमपुर केस की जांच कर रहे जज ने बेल को कैंसिल करने की सिफारिश की थी। इसके बाद भी ऐसा क्यों नहीं किया गया। मृतक किसानों के परिजनों के वकील दुष्यंत दवे ने कहा, मंत्री अजय मिश्रा बेहद प्रभावशाली हैं। सीजेआई ने कहा कि एसआईटी ने यूपी के मुख्य गृह सचिव को चिट्ठी लिखकर बेल कैंसिल करने की सिफारिश की थी। मामले की मॉनिटरिंग करने वाले जज ने भी ऐसी ही बात कही थी। इस पर यूपी सरकार के वकील ने कहा कि उन्हें इस संबंध में कोई जानकारी नहीं है। मैंने उस रिपोर्ट को देखा नहीं है।

उत्तराखंड से दिल्ली का सफर 01 अप्रैल से 10 फीसदी होगा महंगा

देहरादून । राष्ट्रीय राजमार्गों में पड़ने वाले टोल प्लाजा में 1 अप्रैल से ज्यादा शुल्क चुकाना होगा। एनएचएआई ने 10 फीसदी तक शुल्क बढ़ाने का फैसला लिया है। पेट्रोल और डीजल की बढ़ती कीमतों के बीच अब टोल महंगा होने से लोगों को यात्रा में दोहरा झटका लगेगा। प्राइवेट और टैक्सी कार का सफर महंगा होने का सीधा असर जनता की जेब पर पड़ेगा। तो वहीं इससे रोडवेज पर अतिरिक्त वित्तीय भार पड़ेगा। दिल्ली रूट की बात करें कुमाऊं की रोडवेज बसों को 5 टोल प्लाजा से होकर गुजरना होता है। इनमें 190 रुपये से लेकर 440 रुपये तक टोल चुकाना होता है। वहीं देहरादून की बात करें तो यहां जाते समय रास्ते में 4 टोल आते हैं। तीन टोल प्लाजा में 500-500 और एक में 580 रुपये टोल देना होता है। जबकि, निजी कार या टैक्सी से दिल्ली जाने के लिए 5 टोल प्लाजा पर 25 रुपये 130 रुपये तक शुल्क पड़ता है। 1 अप्रैल से लागू हो रही नई दरों के हिसाब से बात करें तो कार से यात्रा करने पर लोगों को टोल पर 2.5 से 13 रुपये तक अतिरिक्त भुगतान करना होगा। वहीं रोडवेज बसों को 19 रुपये से 58 रुपये तक ज्यादा देने होंगे।टोल शुल्क बढ़ने से उत्तराखंड रोडवेज पर अतिरिक्त वित्तीय भार पड़ना तय है। निगम के कर्मचारी संगठनों की ओर से किराया बढ़ाए जाने की मांग उठने लगी है। उत्तरांचल कर्मचारी यूनियन के प्रदेश अध्यक्ष कमल पपनै ने बताया सरकार ने दो साल पहले बस किराये में इजाफा किया था। उस समय डीजल 62 रुपये के करीब था। आज 91 रुपये के पार पहुंच गया है। जबकि किराया पुराना है। निगम पहले से घाटा झेल रहा है। अब टोल शुल्क भी बढ़ने वाला है। ऐसे में निगम प्रबंधन से मांग है कि जल्द किराये में इजाफा करे।

मान पर खटटर का तंज, सबकुछ मुफ्त में बांटने के वादे करो, बाद में कटोरा लेकर पीएम के सामने खड़े हो

चड़ीगढ़ । पंजाब के मुख्यमंत्री बनने के बाद भगवंत मान ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ पहली मुलाकात के दौरान राज्य के लिए दो साल तक 50 हजार करोड़ का पैकेज मांगा था। इस लेकर हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने तंज कसा है। हरियाणा सीएम ने मान सरकार के मुफ्त वादे वाली राजनीति पर निशाना साधकर कहा कि चुनाव से पहले सबकुछ मुफ्त में बांटने के वादे करो और बाद में वादों को पूरा करने के लिए कटोरा लेकर प्रधानमंत्री के सामने खड़े हो जाओ। ये कहां की राजनीति है। खटटर ने केंद्र से पैसा लेकर राजनीति करने को शर्मनाक करार देकर कहा कि अगर सियासत ही करनी है,तब आप अपने दम पर करें, ये अच्छी बात है। खट्टर ने कहा कि पंजाब की आर्थिक स्थिति बेहद खराब है। पंजाब के पास अपने कर्मचारियों को देने के लिए पैसे तक नहीं हैं। वेतन देने के लिए वहां कर्ज पर कर्ज लेता है। बता दें कि पंजाब के मुख्यमंत्री मान ने कार्यभार संभालने के बाद पीएम मोदी के साथ अपनी पहली मुलाकात के दौरान राज्य की अर्थव्यवस्था के पुनरुद्धार के अलावा राज्य में समग्र विकास सुनिश्चित करने के लिए केंद्र से एक लाख करोड़ रुपये के विशेष आर्थिक पैकेज की मांग की थी। उन्होंने पीएम को राज्य की खराब आर्थिक स्थिति से अवगत कराकर कहा कि पिछली सरकारों ने तीन लाख करोड़ रुपये का भारी बोझ छोड़ा है। मान ने अर्थव्यवस्था को वापस पटरी पर लाने के वास्ते दो साल के लिए 50-50 हजार करोड़ रुपये के तत्काल आर्थिक पैकेज की मांग की थी।

नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल ने लॉगिक्स बिल्डर को दिवालिया घोषित किया

नई दिल्ली । सुपरटेक के बाद नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल (एनसीएलटी) द्वारा लॉगिक्स बिल्डर को दिवालिया घोषित किया गया है। सुपरटेक की तरह ही लॉजिक्स में भी कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल ने पेशेवर (आईआरपी) की नियुक्ति कर दी है। कहा जा रहा है, कि लॉजिक्स ब्लॉसम जेस्ट आवासीय परियोजना के खिलाफ दिवालिया कार्यवाही शुरू होने की वजह से 2700 होमबायर्स, जिनमें से करीब 1000 लोगों ने अपने फ्लैट पा लिए थे, अब उनकी मुश्किल बढ़ सकती है। बता दें नोएडा के सेक्टर-143 में कंपनी द्वारा 2011 में प्रोजेक्ट लांच किया गया था। इस प्रोजेक्ट के तहत 14 टावरों में 3400 फ्लैट बनने थे। लेकिन 11 साल बाद भी ये प्रोजेक्ट को पूरा नहीं हो सका है। अभी भी इसके 9 टावर अधूरे हैं। इसकारण घर खरीद दर परेशान हैं, जिन्होंने अपने आशियाने का सपना देखकर प्रोजेक्ट में पैसे लगाए थे। मामले में कोलियर्स इंटरनेशनल (इंडिया) प्रॉपर्टी सर्विसेज कंपनी ने लॉजिक्स के खिलाफ एनसीएलटी का दरवाजा खटखटाया था, इसके बाद आईआरपी नियुक्त कर दिया गया है। वहीं बायर्स को 5 अप्रैल तक अपने वित्तीय कागजात जमा करना होगा। बता दें कि लाजिक्स बिल्डर पर नोएडा अथॉरिटी का करीब 500 करोड़ रुपए बकाया है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)